ज्येष्ठ शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 308 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 07-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हमारे गेंदबाजी कोर ग्रुप में काफी अनुभव और ईमानदारी है: हार्दिक पंड्या

6 अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता

7 विवेक अग्निहोत्री के बदले बोल, नेताओं को दे डाली नसीहत

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया का माउंट इबू ज्वालामुखी फिर फटा

जकार्ता/एजेन्सी। इंडोनेशिया के हलमाहेरा द्वीप पर स्थित इबू ज्वालामुखी गुरुवार सुबह फिर से फट गया और धुएं का गुबार छा गया। ज्वालामुखी विज्ञान एवं भूगर्भीय खतरा न्यूनीकरण केंद्र (पीवीएमबीजी) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार आज सुबह करीब 8:11 बजे विस्फोट शुरू हुआ और दो मिनट तक चलता रहा, जिससे उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए मोटी, धूसर राख और काले बादल छा गये। एक सप्ताह के भीतर ज्वालामुखी का यह पांचवां विस्फोट है।

स्कूल में स्थित 'हमास के अड्डे' को बनाया निशाना: इजराइली सेना

यरूशलम/एपी। इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने गाजा पट्टी में एक स्कूल के अंदर हमास के एक अड्डे को निशाना बनाया, वहीं हमास से जुड़े मीडिया ने बताया कि इस हमले में कम से कम 39 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। नुसेरात क्षेत्र में हमले के बारे में बृहस्पतिवार सुबह विरोधाभासी जानकारी मिली और 'एसोसिएटेड प्रेस' तुरंत स्वतंत्र रूप से हमले के बारे में पुष्टि नहीं कर सका। हमास के अल-अक्सा टेलीविजन ने कम से कम 39 लोगों के मारे जाने की सूचना दी, लेकिन आंकड़ों का स्रोत नहीं बताया। फलस्तीनी समाचार एजेंसी (डब्ल्यूएएफए) ने बताया कि कम से कम 32 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए।

पंजाब में खालिस्तान के समर्थन में नारे लगे

अमृतसर/भाषा। पंजाब के अमृतसर में ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' की 40वीं बरसी पर बृहस्पतिवार को कट्टरपंथी सिख संगठनों के समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। सिमरनजीत सिंह मान के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) और पूर्व सांसद ध्यान सिंह मंड के गुट समेत विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने, सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त में ये नारे लगाए। हाल ही में संगरूर लोकसभा सीट से चुनाव हारने वाले मान भी इस दौरान मौजूद थे। कट्टरपंथी संगठन दल खालसा के नेतृत्व में कुछ सिख युवा हाथों में खालिस्तानी झंडे और क्षतिग्रस्त अकाल तख्त की तस्वीरें लिये हुए नजर आए। इसके साथ ही, दल खालसा के कार्यकर्ताओं ने मारे गए चरमपंथी जरनैल सिंह भिंडरावाले और खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की फोटो वाली तख्तियां हाथों में ली हुई थीं। पिछले साल कनाडा में निज्जर की हत्या कर दी गई थी। अकाल तख्त के नजदीक, सबसे पवित्र सिख तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर के परिसर में खालिस्तान समर्थक नारे सुनाई दिए।

07-06-2024 सूर्यास्त 6:34 बजे	08-06-2024 सूर्योदय 5:41 बजे
BSE 75,074.51 (+692.27)	NSE 22,821.40 (+201.05)
सोना 7,466 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 96,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वजीर का दम

हल हो सकती सभी समस्या,
यदि सत्ता गंभीर है।
दुश्मन की औकात नहीं यदि,
सीमा पर रणधीर है।
गठबंधन होते सुखदायक,
नेता यदि प्रणवीर है।
खत्म न होती कभी बाजियां,
जीवित अगर वजीर है।।

एसटी निगम घोटाला मामले में कर्नाटक कांग्रेस सरकार को झटका

मंत्री बी. नागेन्द्र ने दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में एक सरकारी निगम से जुड़े अवैध धनराशि अंतरण मामले में आरोपों से घिरे अनुसूचित जनजाति (एसटी) कल्याण मंत्री बी. नागेन्द्र ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसे सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली एक वर्ष पुरानी सरकार के लिए करारा झटका माना जा रहा है। मंत्री ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा पत्र सौंपा और कहा कि वह इस मामले में निष्कलंक होकर सामने आएंगे।

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से संबंधित यह अवैध धनराशि अंतरण मामला उस वक्त सामने आया जब उसके लेखा अधीक्षक चंद्रशेखर पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली। मरने से पहले चंद्रशेखर ने एक 'सुसाइड नोट' लिखा था। इस नोट में निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ रुपये के अवैध अंतरण का खुलासा किया गया था। इस रकम में से 88.62 करोड़ रुपये कथित रूप से 'जानी-मानी' आईटी कंपनियों के विभिन्न खातों एवं हैदराबाद के एक सहकारी बैंक में डाले गये थे। चंद्रशेखर ने नोट में निगम के अब निलंबित प्रबंध निदेशक जे एच पद्मनाभ, लेखा अधिकारी परशुराम जी दुरुगन्नवार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता रावल के नामों का उल्लेख किया है। उन्होंने नोट में कहा है कि ''मंत्री'' ने धनराशि अंतरण का मौखिक आदेश दिया था।

चार बार के विधायक नागेन्द्र (52) ने कहा, इस्तीफे के लिए किसी ने मेरे ऊपर दबाव नहीं बनाया। मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर खुद से इस्तीफा देने का फैसला किया है, ताकि लोगों को मेरे बारे में गुमराह नहीं किया जाए।

युवा सशक्तीकरण एवं खेल मंत्रालय का भी प्रभार देख रहे नागेन्द्र ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह किसी भी रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री (सिद्दरामैया) या उपमुख्यमंत्री (डी के शिवकुमार) या पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे को शर्मिंदा नहीं करना चाहते हैं।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में निर्णय सुरक्षित

प्रयागराज/भाषा। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाद की पोषणीयता को चुनौती देते हुए नागरिक प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के नियम 11 के आदेश सात के तहत शाही ईदगाह मस्जिद द्वारा दायर आवेदन पर अपना निर्णय बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया। नागरिक प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के नियम 11 का आदेश 7 यह व्यवस्था देता है कि यदि कोई वाद किसी कानून के तहत बाधित है तो वह पोषणीय (सुनवाई योग्य) नहीं है। वाद की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही थी। यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाकर कब्जा दिलाने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग के साथ दायर किया गया है।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर

सीआईएसएफ महिला सिपाही ने कंगना रनौत को थप्पड़ मारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत ने कहा कि बृहस्पतिवार को दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली-गलौज की। कंगना दो दिन पहले ही हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि महिला सिपाही कुलविंदर कौर किसान प्रदर्शन पर कंगना रनौत के रुख को लेकर नाराज थीं। उन्होंने बताया कि सिपाही को निलंबित कर उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हवाई अड्डों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली सीआईएसएफ ने घटना के संबंध में 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का भी आदेश दिया है।

दिल्ली पहुंचने के बाद कंगना ने 'एक्स' पर 'पंजाब में आतंक और हिंसा में हैरान करने वाली वृद्धि' शीर्षक से एक वीडियो बयान पोस्ट किया। कंगना ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं। कंगना ने कहा कि उन्हें मीडिया और अपने शुभचिंतकों से ढेरों फोन आ रहे हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई।

कंगना ने कहा, ''उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है।'' उन्होंने कहा, ''मैं सुरक्षित हूं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर मैं चिंतित हूं। हम उसे कैसे संभालेंगे?''

सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे एक अन्य वीडियो में गुस्साई महिला सिपाही घटना के बाद लोगों से बात करती हुई दिखाई दे रही है।

महिला कर्मी ने कथित वीडियो में कहा, ''कंगना ने एक बयान दिया था कि दिल्ली में किसान 100-200 रुपये लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उस दौरान मेरी मां भी प्रदर्शनकारियों में शामिल थी।''

मोदी को नेता चुनने के लिए आज हो सकती है राजग संसदीय दल की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने बृहस्पतिवार को दिनभर एक बैठक की और सरकार गठन के प्रयासों को गति देने को लेकर विचार-विमर्श किया। यह बैठक भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर हुई।**
- **जब जद (यू) ने सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग उठायी।**

नई दिल्ली/भाषा। नरेन्द्र मोदी को नेता चुनने के लिए शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समरोह रविवार को हो सकता है।

सूत्रों ने कहा कि मोदी के राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद तेदेपा अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार जैसे गठबंधन के वरिष्ठ सदस्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और उन्हें समर्थन देने वाले सांसदों की सूची सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सप्ताहांत में संभवत: रविवार को शपथ ले सकते हैं। राजग के पास 293 सांसद हैं, जो 543 सदस्यीय लोकसभा में बहुमत के 272 के आंकड़े से अधिक है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने बृहस्पतिवार को दिनभर एक बैठक की और सरकार गठन के प्रयासों को गति देने को लेकर विचार-विमर्श किया। यह बैठक भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर हुई। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में संघ के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे।

पार्टी नेताओं के मुताबिक, इस बैठक में भावी मंत्रिपरिषद के गठन में राजग के घटक दलों की भागीदारी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। सरकार गठन के प्रयासों के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई जब जद (यू) ने सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग उठा दी।

नड्डा के आवास पर हुई बैठक के बाद भाजपा अध्यक्ष नड्डा और शाह ने शाम में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। समझा जाता है कि सरकार गठन के स्वरूप पर पार्टी के शीर्ष नेताओं ने इस मुलाकात के दौरान चर्चा की।

इस बीच, जद(यू) के वरिष्ठ नेता और बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि मंत्रीपद का फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और हमारे नेता नीतीश कुमार जी के द्वारा तय किया जाएगा।

उत्तरकाशी जिले के सहस्त्रताल ट्रैक पर हादसे के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड सरकार ने बृहस्पतिवार को उत्तरकाशी जिले में उच्च हिमालयी क्षेत्र में सहस्त्रताल ट्रैक पर खराब मौसम के कारण ट्रैकरों के साथ हुए हादसे के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए जबकि घटनास्थल से कर्नाटक के चार और ट्रैकरों के शव निकाल लिए गए। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने यहां बताया कि उनकी बचाव टीम ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से चारों शवों को उत्तरकाशी के निकट भटवाड़ी पहुंचाया। इसी के साथ सहस्रताल ट्रैक पर बर्फीले तूफान का शिकार हुए सभी नौ ट्रैकरों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं। इस के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी बचाव अभियान समाप्त हो गया है। इससे पहले बुधवार को दल में शामिल 13 अन्य ट्रैकरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था । प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सहस्रताल ट्रैक पर खराब मौसम के कारण घटित हुए हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

व्यापक चुनाव प्रचार से संकेत मिलता है कि

केजरीवाल गंभीर बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार करते हुए कहा है कि उन्होंने जिस तरह व्यापक (चुनाव) प्रचार किया एवं अन्य संबंधित गतिविधियों में भाग लिया, उससे संकेत मिलता है कि वह किसी गंभीर या 'जानलेवा' बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं।

केजरीवाल को एक और झटका देते हुए अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग संबंधी उनका आवेदन बुधवार को खारिज कर दिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कहा, ''अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह व्यापक प्रचार किया तथा संबंधित बैठकें व कार्यक्रम किये, जैसा कि बहस के दौरान बताया गया, वे संकेत देते हैं कि वह किसी गंभीर या 'जानलेवा' बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं, ऐसे में वह इस लाभ के हकदार नहीं हैं।'' न्यायाधीश बावेजा ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक के लिए बढ़ा दी।

अदालत इस मामले में वैधानिक जमानत की मांग संबंधी उनकी अर्जी पर सात जून को सुनवाई करेगी।

मोदी की टिप्पणी से शेयर बाजार में आये भूचाल की जांच करे जेपीसी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुनाव परिणाम आने से पहले शेयर बाजार को लेकर जो टिप्पणी की, उससे शेयर बाजार को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और यह शेयर बाजार इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है, इसलिए इसकी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराई जानी चाहिए।

गांधी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शेयर बाजार को लेकर मोदी तथा उनके मंत्रियों ने जो भ्रम फैलाया, वह सूची समझी रणनीति का हिस्सा था। वे तीनों जानते थे कि चार जून को आ रहे परिणाम एग्जिट पोल के मुताबिक नहीं आ रहे हैं, इसके बावजूद उन्होंने शेयर बाजार को लेकर भ्रम फैलाया जिसके कारण निवेशकों के 30 लाख करोड़ डूबे हैं। यह बहुत बड़ा घोटाला है और इसकी जेपीसी जांच ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि यह अब तक का बड़ा घोटाला है और इसको लेकर मोदी ने न्यूज चैनल के जरिए पहले जो संकेत दिए उसका निवेशकों पर सीधा असर हुआ है। यह संकेत अंबानी के चैनल के माध्यम से मोदी ने दिया और शेयर बाजार को लेकर भ्रम फैलाया जिससे रिटेल निवेशक को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

हमने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने की चेष्टा की विफल : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने 'हिंसा मुक्त' लोकसभा चुनाव को बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी को समर्पित किया और कहा कि आयोग ने देश में अशांति पैदा कर सकने वाली 'अफवाहों एवं बेबुनियाद संदेहों' से चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतार देने की कोशिश को पूरी तरह विफल कर दिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त द्वय ज्ञानेश कुमार एवं एस एस संधू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 18 वीं लोकसभा के गठन की अधिसूचना सौंपने के बाद महात्मा गांधी के स्मारक गये।

एक बयान में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 76 वर्ष से राष्ट्र के प्रति समर्पित निर्वाचन आयोग की सेवा 'अटूट' समर्पण के साथ जारी रहेगी। निर्वाचन आयोग ने कहा, '' हमने उन अफवाहों एवं बेबुनियाद संदेहों से चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश विफल कर दी है जिनसे अशांति फैल सकती थी। भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास रखने वाले आम आदमी की 'इच्छा' और 'विवेक' की जीत हुई है।हम स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं समावेशी चुनाव कराकर उसको अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए नैतिक एवं कानूनी तौर पर प्रतिबद्ध हैं।''

चुनाव आयोग ने नवनिर्वाचित सांसदों की सूची मुर्मु को सौंपी

चुनाव आयोग की ओर से 18वीं लोकसभा के चुनाव में निर्वाचित सदस्यों की सूची गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंपी गयी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ सुखबीर सिंह संधू के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की और उन्हें लोकसभा के लिये चुने गये सभी सदस्यों की सूची प्रस्तुत की।

गुमराह कर रहे हैं राहुल गांधी : भाजपा

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर आज पलटवार करते हुए कहा कि वह चुनावी हार की हताशा और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को आता देख कर कुंठा में निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। जबकि महिलाओं को एक लाख रुपये देने का वादा भूल गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद पीयूष गोयल ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर जो भाजपा और हमारे नेताओं पर अनाप-शनाप आरोप लगाए हैं, इससे साफ जाहिर होता है कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की हार की हताशा से राहुल गांधी जी उबर नहीं पाए हैं। अब राहुल गांधी बाजार के निवेशकों को भी गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं।

'स्पेसएक्स' के रॉकेट की टेक्सास से चौथी परीक्षण उड़ान सफल रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोका चिका (अमेरिका)/एपी। 'स्पेसएक्स' के सबसे शक्तिशाली 'स्टारशिप' रॉकेट ने बृहस्पतिवार को अपनी पहली पूर्ण परीक्षण उड़ान पूरी कर ली और वह टेक्सास से उड़ान भरने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित वापस लौट आया।

पिछली तीन परीक्षण उड़ानों के दौरान रॉकेट और अंतरिक्ष यान में विस्फोट हो गया था लेकिन इस बार ये दोनों नियंत्रित तरीके से नीचे उतरने में सफल रहे।

दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट 'स्टारशिप' लगभग 400 फुट (121 मीटर) ऊंचा है। उसने जब मैक्सिको की खाड़ी के ऊपर उड़ान भरी और जब वह हिंद महासागर की ओर उड़ान भरने के लिए पूर्व की ओर बढ़ा, उस समय वह खाली था।

बृहस्पतिवार सुबह प्रक्षेपण के कुछ ही मिनट बाद प्रथम चरण का बूस्टर अंतरिक्ष यान से अलग हो गया और वह इसके इंजन को चालू करने के बाद योजनानुसार खाड़ी में जा गिरा।

इसके एक घंटे बाद, प्रक्षेपण के सीधे प्रसारण में पुन: प्रवेश के दौरान अत्यधिक गर्मी के कारण अंतरिक्ष यान के कुछ हिस्से टूटते दिखाई दिए, लेकिन यह इतना सुरक्षित रहा कि भारतीय महासागर में उतरने के अपने लक्षित स्थल तक डेटा संचारित कर सका।

मुख्यमंत्री के बेटे यतींद्र और भाजपा नेता सीटी रवि विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्दरामैया और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि समेत सभी 11 उम्मीदवार बृहस्पतिवार को निर्विरोध विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हो गए। निर्वाचन अधिकारी ने यह जानकारी दी। विधान परिषद की 11 सीट के लिए 13 जून को मतदान होना था। विधान परिषद चुनाव में विधानसभा सदस्य मतदान करते हैं। आज उम्मीदवारी वापस लेने का अंतिम दिन था।

विधानसभा में दलों के मौजूदा संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस ने सात, भाजपा ने तीन और जद (एस) ने एक सीट पर जीत हासिल की। इस चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और कर्नाटक विधानसभा की महासचिव एम. वी. विशालाक्षी ने कहा, आज (नाम वापसी के अंतिम दिन) अपराह्न तीन बजे तक किसी ने उम्मीदवारी वापस नहीं ली। 11 सीट के लिए 11 उम्मीदवार थे, लिहाजा इन सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

अन्य निर्वाचित सदस्यों में सत्तारूढ़ कांग्रेस की बिलकीस बानो, लघु सिंचाई मंत्री एन. एस. बोसराजू, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार के. गोविंदराज, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष वसंत कुमार, पूर्व विधान परिषद सदस्य इवान डिसूजा और पार्टी के कलबुर्गी जिला अध्यक्ष जगदेव गुट्टेदार शामिल हैं। भाजपा से विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन रवि कुमार और पार्टी नेता एम जी मुले को निर्वाचित घोषित किया गया। जद(एस) के टी एन जावराय गौड़ा को भी निर्वाचित घोषित किया गया, जो पिछले वर्ष यशवंतपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गए थे।

उत्तराखंड में हादसे के शिकार हुए नौ ट्रैकर के शव बेंगलूरु लाए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण जान गंवाने वाले कर्नाटक के नौ ट्रैकर के शव शुक्रवार को दिल्ली के रास्ते बेंगलूरु लाए जाएंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल पर ट्रैकिंग पर गया कर्नाटक और महाराष्ट्र के ट्रैकर का 22 सदस्यीय दल तीन जून को बर्फीले तूफान की चपेट में आने के कारण रास्ता भटक गया था और अत्यधिक ठंड के कारण उसके नौ सदस्यों की मृत्यु हो गयी। पांच शवों को बुधवार को बाहर निकाल लिया गया था जिनमें चार शव महिलाओं के थे।

उत्तरकाशी के मनेरी में 'हिमालयन व्यू ट्रैकिंग एजेंसी' ने इस दल को 29 मई को उत्तरकाशी से रवाना किया था जिसमें कनार्टक के 18 और महाराष्ट्र के एक ट्रैकर के अलावा तीन स्थानीय गाइड भी शामिल थे। इस ट्रैकिंग दल को सात जून तक वापस लौटना था लेकिन मौसम खराब होने से यह दल रास्ता भटक गया। संबंधित ट्रैकिंग एजेंसी द्वारा खोजबीन करने पर दल के कुछ सदस्यों की मृत्यु होने तथा अन्य के फंसे होने का पता चला।

कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा, ''सभी नौ शवों को देहरादून हवाई अड्डे से अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां शवों पर लेप लगाया जाएगा। लेप लगाने के बाद शवों को एम्बुलेंस से दिल्ली हवाई अड्डा ले जाया जाएगा। हम कल सुबह की दिल्ली-बेंगलूरु उड़ान में जगह बुक कर रहे हैं।''

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि बचाए गए सभी 13 ट्रैकर के बृहस्पतिवार शाम तक बेंगलूरु पहुंचने की संभावना है।

गौड़ा के अनुसार, बुधवार को महिलाओं सहित आठ ट्रैकर को बचा लिया गया और उन्हें देहरादून भेज दिया गया, जबकि बचाए गए पांच और ट्रैकर को आज उत्तरकाशी से देहरादून ले जाया गया। मंत्री ने उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी और आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा से मुलाकात की और आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया के लिए उनका धन्यवाद किया।

राज्यपाल ने संवेदनाएं व्यक्त की

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने उत्तराखंड के सहस्त्रताल में ट्रेक पर गए कुछ कन्नड़ लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। यह खबर सुनकर दुख हुआ कि उत्तराखंड की यात्रा पर गए कर्नाटक के कुछ लोगों की खराब मौसम की वजह से मौत हो गई है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं मृतकों की शांति और इस घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राज्यपाल ने 'एक्स' अकाउंट के जरिए अपनी संवेदना व्यक्त की।

आरक्षण खत्म करने का झूठ बोलने के कारण हरियाणा में जीती कांग्रेस: नायब सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस हरियाणा में पांच सीट जीतने में सफल रही क्योंकि वह यह झूठ फैलाने में कामयाब रही कि अगर भाजपा केंद्र की सत्ता में आती है तो आरक्षण और संविधान को खत्म कर देगी। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने सैनी को विधायक के रूप में शपथ दिलाई जिसके बाद उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही।

सैनी ने हाल में करनाल विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के तरलोचन सिंह को हराया है। पहले इस सीट का प्रतिनिधित्व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कर रहे थे। राज्यपाल से राज्य भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मांग के बारे में पूछे जाने पर सैनी ने कहा कि उनकी सरकार मार्च में विश्वास मत हासिल कर चुकी है और उसे कोई खतरा नहीं है। राज्य में कांग्रेस से पांच सीट हारने के कारण पूछे जाने पर सैनी ने कहा, ''हमने अपने विधायकों और मंत्रियों के साथ कल बैठक की थी। यह बात सामने आई है कि इस चुनाव में कांग्रेस ने झूठ का सहारा लिया।'' उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस यह झूठ फैलाने में कामयाब रही कि अगर मोदीजी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो संविधान और आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा।''

अक्टूबर में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सैनी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अनुसूचित जाति समुदाय से संपर्क साधेंगे और हर घर में जाकर ''कांग्रेस के दुष्प्रचार की कलई खोलेंगे''। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता आम जनता को यह भी बताएंगे कि कांग्रेस ने विभिन्न मौकों पर संविधान का अपमान किया है।

राज्य सरकार अल्पमत में होने के कांग्रेस के दावे पर सैनी ने कहा कि उनकी सरकार अब भी बहुमत में है। उन्होंने कहा, ''13 मार्च को हमने सदन में विश्वास मत हासिल किया था। अगर हुड्डा को लगता है कि सरकार अल्पमत में है और उनके पास संख्याबल है तो वह अपने विधायकों की राज्यपाल के सामने परेड कराएं।'' सैनी ने 12 मार्च को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। पार्टी ने मनोहर लाल खट्टर की जगह उन्हें विधायक बनाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को पांच सीट जरूर मिल गईं, लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत कांग्रेस से ज्यादा है।

भाजपा को हरियाणा में जहां 46.11 प्रतिशत वोट मिले हैं, वहीं कांग्रेस को 43.67 प्रतिशत वोट मिले हैं। सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 60 साल के शासन में इतना काम नहीं किया जितना नरेन्द्र मोदी सरकार ने 10 साल में कर दिया।

खट्टर ने भी 2019 के विधानसभा चुनाव में यहां से तरलोचन सिंह को हराया था। कुरुक्षेत्र के पूर्व सांसद सैनी ने खट्टर की जगह मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद करनाल विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ा था। खट्टर ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद करनाल के विधायक के रूप में इस्तीफा दिया था जिसके बाद उपचुनाव जरूरी हो गया था।

ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के सीएम से इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार सभी चार लोकसभा सीट पर अपनी हार के बाद जनादेश खो चुकी है तथा मुख्यमंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार के लिए स्पष्ट संदेश है कि 'फ्लॉप डायरेक्टर (असफल निदेशक)' सफल रहा है। सुक्खू ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि ठाकुर 'फ्लॉप डायरेक्टर' हैं तथा मंडी से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत हार जायेंगी। ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा ,'' मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार राज्यसभा चुनाव में ही सदन (विधानसभा) में बहुमत गंवा चुकी थी और अब लोकसभा चुनाव के बाद वह लोकप्रियता एवं जनादेश भी गंवा बैठी है।'' भाजपा नेता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सरकार बदल जाने की संभावना अब भी बनी हुई है क्योंकि मुख्य संसदीय सचिव मामले में फैसला शीघ्र आयेगा।

'आप'-कांग्रेस गठबंधन सिर्फ लोस चुनाव के लिए था : गोपाल राय

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था और उन्होंने संकेत दिया कि सत्तारूढ़ पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर पार्टी विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद राय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' को पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा, 'इंडिया' गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए था। कई दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा था और 'आप' भी इसका हिस्सा थी। फिलहाल दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कोई गठबंधन नहीं हुआ है।

दिल्ली में लोकसभा चुनाव में 'आप'-कांग्रेस गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिली, जबकि भाजपा ने रिकॉर्ड तीसरी बार सभी सात संसदीय सीट पर जीत का परचम लहरा दिया।

मानहानि मामले में राहुल गांधी बेंगलूरु की अदालत में पेश होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा की कर्नाटक द्वारा दायर मानहानि के मामले में शुक्रवार को यहां एक विशेष अदालत के समक्ष पेश होंगे। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने कांग्रेस पर मुख्यधारा के समाचार पत्रों में कथित रूप से झूठे विज्ञापन जारी करने का आरोप लगाया था। पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापन में राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के शासनकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था।

कांग्रेस की राज्य इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा, 'कांग्रेस के नेता राहुल गांधी शुक्रवार पूर्वाह्न साढ़े दस बजे शहर दीवानी न्यायालय में पेश होंगे।' पार्टी की राज्य इकाई ने बताया कि इसके बाद वह साढ़े 11 बजे क्वींस रोड स्थित भारत जोड़ो भवन में राज्य से कांग्रेस के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ चर्चा करेंगे। इसने बताया कि इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार भी मौजूद रहेंगे। अदालत ने इस मामले में एक जून को सिद्दरामैया तथा शिवकुमार को जमानत दे दी थी। मामले में राहुल गांधी को सात जून को अदालत में पेश होने को कहा गया था। भाजपा ने यह आरोप लगाते हुए मानहानि का मामला दर्ज कराया था कि इन कांग्रेस नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं के खिलाफ झूठे विज्ञापन दिये।

भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा था कि सभी लोक निर्माण कार्यों में 40% कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने पिछली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार 'रेट कार्ड' भी प्रकाशित किया था। शिकायतकर्ता ने कांग्रेस पार्टी पर पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के खिलाफ बदनाम करने वाला अभियान चलाने का आरोप लगाया था। भाजपा ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने अकाउंट पर यह 'अपमानजनक विज्ञापन'' पोस्ट किया था।

तेदेपा ने नई सरकार के गठन से पहले ही आंध्र प्रदेश में डर का माहौल बनाया: रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने नई सरकार के गठन से पहले ही आंध्र प्रदेश में डर का माहौल बना दिया है। उन्होंने राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले रोकने में मदद की अपील की।

हाल में हुए विधानसभा चुनाव में तेदेपा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनसेना वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के हाथों करारी हार के बाद रेड्डी ने आरोप लगाया कि तेदेपा के कार्यकर्ता वाईएसआर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर हमला कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ग्राम सचिवालय और रायथु भरोसा केन्द्र जैसी निजी और सरकारी संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है। वाईएसआरसीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं की सुरक्षा खतरे में है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''पुलिस विभाग 'सत्तारूढ़ पार्टी' (तेदेपा की ओर इशारा करते हुए) के दबाव के आगे झुक गया है'' । साथ उन्होंने दावा किया कि वाईएसआरसीपी के पांच साल के शासन के दौरान राज्य में जो शांति कायम थी, वह अब खत्म हो गई है।

राजग ने आंध्र प्रदेश में 21 लोकसभा क्षेत्रों के अलावा 164 विधानसभा सीट पर भी जीत हासिल की है। जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी केवल 11 विधानसभा सीट और चार संसदीय सीट ही हासिल कर सकी।

लोकसभा चुनाव में डाक मत पत्र को छोड़ कर 65.79 प्रतिशत मतदान हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में 65.79 प्रतिशत मतदान हुआ लेकिन अंतिम आंकड़ों में बदलाव हो सकता है क्योंकि इसमें डाक मतपत्र शामिल नहीं हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि इस लोकसभा चुनाव में कुल 64.2 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था।

साल 2019 के संसदीय चुनावों में 67.40 प्रतिशत मतदान हुआ था। साल 2019 में भारत में 91.20 करोड़ मतदाता थे और इनमें से 61.5 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। 2024 के चुनावों में, मतदाताओं की संख्या बढ़कर 96.88 करोड़ हो गई।

आयोग ने एक बयान में कहा, ''आम चुनाव, 2024 में मतदान केंद्रों पर कुल मिलाकर 65.79 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।'' मतदान केंद्र पर मतदान का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से किया गया मतदान।

आयोग ने कहा कि डाक मतों की संख्या और सकल मतदान प्रतिशत वाली विस्तृत सांख्यिकीय रिपोर्ट राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त ब्योरे को अंतिम रूप देने के बाद मानक प्रक्रिया के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी।

पुणे: विमान सीट के नीचे मिला 78 लाख रु मूल्य सोने का पेस्ट, यात्री गिरफ्तार

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने विमान की सीट के नीचे पाइप में छिपाकर रखे गए 78 लाख रुपये मूल्य के सोने के पेस्ट को जब्त करने के बाद एक यात्री को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जानकारी के आधार पर बुधवार को दुबई से आए यात्री को पकड़ा गया लेकिन उसकी व्यक्तिगत तलाशी या सामान की जांच में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

एक कस्टम अधिकारी ने बताया, चूंकि यात्री का व्यवहार बहुत संदिग्ध था, इसलिए उससे पूछा गया कि क्या उसने विमान में कुछ छिपाया है। चूंकि उसके जवाबों से संदेह और बढ़ गया, इसलिए उसकी सीट और विमान में कुछ अन्य स्थानों की तलाशी ली गई।

संसद की सुरक्षा सेंध: उपराज्यपाल ने यूएपीए के तहत छह आरोपियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने संसद की सुरक्षा में सेंध लगाये जाने की घटना में कथित संलिप्तता के लिए छह लोगों पर सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। राजनिवास के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

संसद पर 2001 के आतंकवादी हमले की बरसी के दिन पिछले साल 13 दिसंबर को सुरक्षा में सेंधमारी की बड़ी घटना उस वक्त सामने आई थी जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के भीतर कूद गये थे और 'केन' के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया था।

इस मामले में छह लोगों मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम, ललित झा और महेश कुमावत आरोपी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल से यूएपीए की धाराओं 16 और 18 के तहत उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध किया था।

उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।

'उद्धव के भाजपा नीत राजग में वापस जाने की कोई संभावना नहीं'

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस नहीं जाएंगे। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के पाला बदलने को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगाने की कोशिशों के तहत यह बात कही। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) को नौ सीट पर जीत मिली है। भाजपा ने भी इतनी सीट पर जीत दर्ज की है जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सात सीट पर जीत हासिल हुई। पाटिल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने ठाकरे से मुलाकात कर उन्हें महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) की सफलता के लिए बधाई दी। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) ने कुल 48 में से 30 सीटें जीतीं।

उमर अब्दुल्ला ने इंजीनियर रशीद की जीत से जुड़ा लेख साझा किया, खड़ा हुआ विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक समाचार लेख साझा किया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

इस लेख में कहा गया है कि बारामूला लोकसभा सीट से इंजीनियर राशिद की जीत से अलगाववादियों को बढ़ावा मिलेगा।

विवाद उस समय खड़ा हुआ जब निजी समाचार एजेंसी ने 'एक्स' पर लेख का कुछ हिस्सा लिया और उसके साथ लिखा कि उमर अब्दुल्ला ने ऐसा कहा है। इसके बाद पीडीपी के वहीद पर्रा समेत जम्मू - कश्मीर के मुख्यधारा के नेताओं ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया दी।

अब्दुल्ला को इंजीनियर राशिद के नाम से लोकप्रिय शेख अब्दुल राशिद के सामने दो लाख से अधिक वोट से हार का सामना करना पड़ा है। राशिद आतंकवाद के आरोपों में जेल में बंद हैं।

अब्दुल्ला ने हार स्वीकार करते हुए राशिद को जीत की बधाई दी।

समाचार लेख साझा करने के लिए अब्दुल्ला पर कटाक्ष करते हुए पीडीपी की युवा शाखा के अध्यक्ष पर्रा ने लिखा, उमर अब्दुल्ला के प्रतिगामी रुख से बेहद निराशा हुई, जो 1987 की विभाजनकारी राजनीति को प्रतिध्वनित करता है। उन्होंने लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति को 'इस्लामी लहर करार दिया है। उन्होंने कहा, महबूबा मुफ्ती की तरह इंजीनियर रशीद की रिहाई की गुहार लगाना जनादेश की स्वीकृति होती। अब्दुल्ला ने इसपर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह स्वयं न केवल इंजीनियर राशिद बल्कि जेलों में बंद हजारों अन्य लोगों की भी रिहाई के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कहा, वहीद, मैं आमतौर पर यहां किसी भी तरह की बातचीत में शामिल नहीं होता, लेकिन इस बार मैं एक अपवाद कायम कर रहा हूं। मैंने अपने पूरे प्रचार अभियान में इंजीनियर की रिहाई के बारे में बात की और उनके प्रचार अभियान के विपरीत मैंने 2019 से हिरासत में लिए गए हजारों लोगों को रिहा करने की आवाज उठाई।

अब्दुल्ला ने कहा, मैंने यहां जो लेख साझा किया है, उसमें मेरे विचार नहीं हैं, बल्कि एक दृष्टिकोण हैं। मैं कुछ हिस्सों से सहमत हो सकता हूं, कुछ हिस्सों से असहमत हो सकता हूं, लेकिन वह एक राय है। जहां तक राशिद की रिहाई का सवाल है, यह अदालत का मामला है, सभी मामलों में ऐसा ही होता है।

दिल्ली जल संकट: न्यायालय ने हिमाचल को दिए 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में जारी जल संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिए कि हिमाचल प्रदेश 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़े और हरियाणा दिल्ली की तरफ पानी के प्रवाह को सुगम बनाए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि पानी को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार उसके पास उपलब्ध 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिल्ली के लिए छोड़ने को तैयार है। एक क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) प्रति सेकंड 28.317 लीटर तरल प्रवाह के बराबर होता है। पीठ ने कहा, ''क्योंकि हिमाचल प्रदेश को कोई आपत्ति नहीं है और वह उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए तैयार है, इसलिए हम निर्देश देते हैं कि हिमाचल प्रदेश उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त पानी में से 137 क्यूसेक पानी छोड़े, ताकि पानी हथिनीकुंड बैराज और फिर वहां से दिल्ली पहुंच सके।'' मामले की गंभीरता को देखते हुए पीठ ने हिमाचल प्रदेश को निर्देश दिया कि वह हरियाणा को पूर्व सूचना देकर सात जून को पानी छोड़े। इसने कहा है कि ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) हथिनीकुंड में आने वाले अतिरिक्त पानी को मापेगा ताकि इसे वजीराबाद और दिल्ली तक पहुंचाया जा सके।

पीठ ने आदेश दिया, ''जब भी हिमाचल प्रदेश पूर्व सूचना के साथ हरियाणा की तरफ अतिरिक्त पानी छोड़ेगा तो हरियाणा अतिरिक्त पानी के प्रवाह को हथिनीकुंड और वजीराबाद तक सुगम बनाए रखने में मदद करेगा ताकि यह निर्बाध रूप से दिल्ली तक पहुंचे और दिल्ली के लोगों को पेयजल के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सके।''

इसने कहा, ''सोमवार को इस अदालत के समक्ष एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।''

एसटी निगम घोटाला मामले में कांग्रेस सरकार को झटका, मंत्री बी नागेन्द्र ने इस्तीफे की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में एक सरकारी निगम से जुड़े अवैध धनराशि अंतरण मामले में आरोपों से घिरे अनुसूचित जनजाति (एसटी) कल्याण मंत्री बी. नागेन्द्र ने मंत्री पद से इस्तीफे की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसे सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली एक वर्ष पुरानी सरकार के लिए करारा झटका माना जा रहा है। मंत्री ने कहा कि वह अपना इस्तीफा शाम साढ़े सात बजे मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को सौंपेंगे।

बावन-वर्षीय नागेन्द्र ने कहा, ''इस्तीफे के लिए किसी ने मेरे ऊपर दबाव नहीं बनाया। मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर खुद से इस्तीफा देने का फैसला किया है, ताकि लोगों को मेरे बारे में गुमराह नहीं किया जाए। मैंने मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय मांगा है और उन्होंने मुझे शाम साढ़े सात बजे बुलाया है। मैंने उन्हें अभी तक नहीं कहा है कि मैं इस्तीफा दूंगा।''

युवा सशक्तीकरण एवं खेल मंत्रालय का भी प्रभार देख रहे नागेन्द्र ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह किसी भी रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री (सिद्दरामैया) या उपमुख्यमंत्री (डी के

शिवकुमार) या पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे को शर्मिंदा नहीं करना चाहते हैं। विधानसभा में बेल्लारी ग्रामीण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक नागेन्द्र ने कहा, मैं अपनी इच्छा से इस्तीफा दे रहा हूं। एसआईटी (विशेष जांच दल) मामले की जांच कर रही है और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि जांच के दौरान मैं मंत्री पद पर रहा तो इससे समस्या हो सकती है। इसके मद्देनजर मैंने (इस्तीफा देने का) फैसला किया है। उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में 'निर्दोष' साबित होंगे। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा था कि एक सरकारी निगम से जुड़े अवैध धनराशि अंतरण मामले में आरोपों से घिरे मंत्री बी नागेंद्र ने इस्तीफा नहीं दिया है। उसके कुछ ही मिनट पहले उन्होंने घोषणा की थी कि नागेंद्र ने अपना पद छोड़ दिया है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री नागेंद्र आज बाद में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने के पश्चात इस्तीफा देंगे। उपमुख्यमंत्री ने चार बार के विधायक नागेंद्र (52) के हवाले से कहा कि वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) समेत किसी भी जांच के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, हमारी कई लोगों से भी बातचीत हुई थी, कोई भी मंत्री इतनी बड़ी रकम की हेराफेरी करने का साहस नहीं दिखायेगा। यह आसान नहीं है। लेकिन शीघ्र ही शिवकुमार की नागेन्द्र से टेलीफोन पर बातचीत हुई और उस बातचीत के बाद उपमुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने (नागेन्द्र ने) अब मुझे कहा है कि वह विधान सौध जा रहे हैं, वह प्रेस को संबोधित करेंगे और फिर उसके बाद अपना इस्तीफा सौंपेंगे।

अन्नामलाई के कारण ही मेरी पार्टी ने भाजपा से संबंध तोड़े : वेलुमणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता और पूर्व राज्य मंत्री एस पी वेलुमणि ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई को लोकसभा चुनाव से पहले दोनों दलों के संबंधों में दरार के लिए जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि अगर चुनावी गठबंधन बरकरार रहता तो वह 30-35 सीटें जीत सकता था। वहीं अन्नामलाई ने वेलुमणि के इस तर्क पर सवाल उठाया और आश्चर्य जताते हुए कहा कि यह तर्क कैसे स्वीकार किया जा सकता है, जब अन्नाद्रमुक अपने दम पर एक भी सीट जीतने में विफल रही।

वेलुमणि ने संवाददाताओं से कहा कि अन्नाद्रमुक ने गठबंधन धर्म का पालन किया लेकिन अन्नामलाई ने सी एन अन्नादुरई, जे जयललिता और यहां तक कि एडप्पादी के पलानीस्वामी सहित अन्नाद्रमुक नेताओं की अनावश्यक आलोचना की। वेलुमणि ने कहा, अन्नामलाई ने ही ज़्यादा टीका-टिप्पणी की, हमने नहीं। गठबंधन से हटने का कारण वही थे। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अगर भाजपा हमारे साथ गठबंधन में होती, तो गठबंधन 30-35 सीटें जीत सकता था। उन्होंने कहा कि डॉ तमिलिसाई सुंदरराजन और एल मुरुगन जैसे नेताओं ने भाजपा का नेतृत्व करते हुए कभी भी अन्नाद्रमुक के नेताओं का अपमान नहीं किया। वेलुमणि ने कहा कि कम से कम अब अन्नामलाई को अन्नाद्रमुक की आलोचना करना बंद कर देना चाहिए और चुनाव के दौरान लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अन्नामलाई को भाजपा नेता सी पी राधाकृष्णन से भी कम वोट मिले जिन्होंने इससे पहले चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, हमने सबक सीखा है। हम कड़ी मेहनत करेंगे और 2026 के विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक की जीत सुनिश्चित करेंगे। उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्नामलाई ने संवाददाताओं से कहा कि वेलुमणि ने तथ्य गलत बताए हैं।

नियमित स्वास्थ्य जांच आवश्यक है : मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

मैं भी लगातार प्राणायाम और शारीरिक व्यायाम करता हूं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि जो लोग शारीरिक गतिविधि के बिना बैठे रहते हैं, उनके बीमार होने की संभावना अधिक होती है। इसलिए शारीरिक और मानसिक गतिविधि आवश्यक है। वे गुरुवार को विधानसौधा स्थित बैंक्वेट हॉल में सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। 'जीवनशैली और खान-पान की आदतें' मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों को स्वास्थ्य और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्यक्रम तैयार कर उन्हें क्रियान्वित कर रही है।' उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी घातक बीमारी का भी इलाज संभव है। अगर नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराई जाए तो लंबे समय तक स्वस्थ रहना संभव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों की स्वास्थ्य प्रणाली और मेहनतकश जीवनशैली ने उन्हें स्वस्थ और मजबूत बनाए रखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस तरह के स्वास्थ्य जांच शिविर नियमित आधार पर आयोजित किए जाएं तथा इन्हें पूरे राज्य में आयोजित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुढ़ापे में आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए कम उम्र से ही अच्छे स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, मुख्य सचिव डॉ. रजनीश गोयल, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, गारंटी क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष एचएम रेवण्णा, मुख्य सचेतक अशोक पट्टन, अतिरिक्त मुख्य सचिव शालिनी रजनीश उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साथियों के दबाव से भी नशे की लत लग सकती है। लेकिन हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए और खुद को बचाना चाहिए। मैं पहले सिगरेट पीता था। एक बार दोस्तों ने विदेशी सिगरेट का एक पैकेट खरीदा। मैंने थोड़े समय में ही बहुत सिगरेट पी ली। 27 अगस्त को मुझे सिगरेट छोड़ने के लिए मना लिया गया। उन्होंने याद किया कि उसी दिन उन्होंने पूरी तरह से धूम्रपान छोड़ दिया।

घोटाले में शामिल हैं मुख्यमंत्री, मंत्रियों समेत इस्तीफा दें मुख्यमंत्री : आर.अशोक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया जो वित्त मंत्री भी हैं, वाल्मिकी विकास निगम घोटाले में सीधे तौर पर शामिल हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मांग की कि मंत्री बी नागेंद्र के साथ मुख्यमंत्री को भी इस्तीफा देना चाहिए। वाल्मिकी विकास निगम घोटाले के मद्देनजर मंत्री बी नागेंद्र के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए भाजपा नेताओं ने विधानसौधा से राजभवन तक मार्च किया और राज्यपाल को शिकायत सौंपी। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए आर अशोक ने कहा कि मंत्री बी नागेंद्र इस मामले में आरोपी हैं। इसके पीछे बड़े दोषियों का हाथ है। इन

सभी तथ्यों को सामने लाने के लिए मामले को सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। मंत्री सहित पूरी कैबिनेट इस अवैध धन घोटाले में शामिल थी और पैसा हैदराबाद गया और फिर दिल्ली पहुंचा। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया इसलिए नहीं मान रहे हैं कि सीबीआई जांच होगी, और सब सामने आ जाएगा। राहुल गांधी और रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी इस पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि 'जो पैसा गरीबों को मिलना चाहिए था वह मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की जेब में चला गया। यह राज्य की राजनीति की त्रासदी है कि वे अनुसूचित जाति-जनजाति का पैसा निगल जाते हैं।' मुख्यमंत्री सिद्दरामैया का दावा है कि 'वह 14 बार बजट पेश कर चुके हैं। अब उनकी आंखों के नीचे यह कांड हो गया है।' उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस सरकार ने एक साल तक लूट की गारंटी दी थी। लुटेरों की पार्टी ने यह कहकर पैसा लूटा कि कांग्रेस जैसा कहेगी वैसा करेंगे। किसी भी मामले की जांच एक ही समय में दो एजेंसियों द्वारा नहीं की जा सकती। लेकिन जो जांच सीबीआई को करनी चाहिए वो एसआईटी को सौंपी गई है। मनी ट्रांसफर के लिए इस एटीएम को सरकारी टकाटक के नाम से जाना जाता है। बाकी किन निगमों में कितना पैसा ट्रांसफर किया गया? कितने बेनामी खातों में पैसा गया है इसका पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें मंत्री का करीबी शामिल है, यानी मंत्री भी इसमें शामिल हैं।

आर अशोक ने बताया कि हमने राज्यपाल को इसकी जानकारी दे दी है। इसके खिलाफ बीजेपी चार चरणों में चुनाव लड़ेगी। हम मंत्री और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्यपाल को प्रार्थना पत्र दिया है कि इस सरकार को बर्खास्त कर दिया जाये। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया जितना मजबूत कोई नहीं है जो अभी भी मंत्री के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि जनता इस भ्रष्टाचार का करारा जवाब देगी।

चीनी वीजा घोटाला

दिल्ली की अदालत ने कार्ति चिदंबरम को जमानत दी

चेन्नई/नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। कार्ति चिदंबरम एक समन की तामील करते हुए अदालत में पेश हुए थे और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उन्हें राहत प्रदान की। अदालत ने इससे पहले मामले में ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ समन जारी किया था। न्यायाधीश ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही जमानत राशि पर राहत प्रदान की। ईडी ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में कार्ति चिदंबरम के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया था। उस समय उनके पिता पी चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे।

चुनाव में हार के बाद पनीरसेल्वम ने की एकता की अपील, अन्नाद्रमुक ने खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ पनीरसेल्वम ने अन्नाद्रमुक के धड़ों से पार्टी को मजबूत करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया, वहीं अन्नाद्रमुक ने उनके आह्वान को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि वह केवल भ्रम पैदा कर रहे हैं। रामनाथपुरम से लोकसभा चुनाव में मिली हार और पूर्व

मुख्यमंत्री इडापड्डी के पलानीस्वामी की अगुवाई वाली अन्नाद्रमुक के राज्य की 39 सीटों में से एक भी सीट न जीत पाने के बाद पनीरसेल्वम ने अन्नाद्रमुक को वापस पाने के लिए बलिदान करने की तैयारी'' का आह्वान किया। पार्टी की कमान पलानीस्वामी के हाथों में आने के बाद से ही वह ऐसी अपील कर रहे हैं। हालांकि अन्नाद्रमुक नेता और राज्य के पूर्व मंत्री के पी मुनुसामी ने इस अपील को खारिज करते हुए कहा कि यह भ्रम पैदा करने का प्रयास मात्र है।

मुनुसामी ने पनीरसेल्वम की अपील पर संवाददाताओं से कहा, पनीरसेल्वम को पार्टी की एकता के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने अन्नाद्रमुक के दो पत्ती वाले चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए भाजपा से हाथ मिलाया है।

मैं मंत्री नहीं बनना चाहता : सुरेश गोपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह केंद्रीय मंत्री बनने के बारे में नहीं सोच रहे हैं, वह बस इतना चाहते हैं कि मंत्रालय केरल के लोगों के कल्याण के लिए उनके द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं को क्रियान्वित करें। गोपी ने केरल में भाजपा के लिए त्रिशूर लोकसभा सीट जीतकर इतिहास रच दिया है।

उन्होंने अनुरोध किया कि उन्हें एक मंत्रालय तक सीमित न रखा जाए, क्योंकि वह एक सांसद के रूप में लोगों के लिए मंत्री की तुलना में अधिक काम कर सकते हैं।

संवाददाताओं से जब उनसे पूछा कि वह किस मंत्रालय का नेतृत्व करना पसंद करेंगे तो उन्होंने कहा, कृपया मुझे एक कमरे तक सीमित न रखें। एक सांसद के रूप में मैं विभिन्न मंत्रालयों का काम कर सकता हूं। मैं मंत्री नहीं बनना चाहता। काम करने के नए क्रांतिकारी मंच हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं बस इतना चाहता हूं कि जब मैं दृढ़ संकल्प के साथ केरल के लोगों के लिए कोई परियोजना लेकर जाऊं तो संबंधित मंत्रालय उसे लागू करें। गोपी ने यह भी कहा कि त्रिशूर से जीतने के कारण सांसद के रूप में उनका काम यहीं तक सीमित नहीं रहेगा।

भाजपा ने अन्नामलाई की फोटो पहनाकर बकरे की बलि वाले वीडियो की कड़ी निंदा की, कार्रवाई की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु ईकाई ने प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की फोटो पहनाकर सड़क पर एक बकरे का सिर सरेआम धड़ से अलग करने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना संबंधी वीडियो के वायरल होने के बाद पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि यह कथित घटना कहां हुई और वीडियो को किसने साझा किया। वीडियो की सत्यता का तुरंत पता नहीं चल पाया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्नामलाई ने कहा कि अगर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कार्यकर्ता उनसे नाराज हैं तो वे उन पर हमला कर सकते हैं। भाजपा के

तमिलनाडु के उपाध्यक्ष और पार्टी प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह वीडियो साझा कर इसकी कड़ी निंदा की। तमिलनाडु भाजपा ने इसे अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर दोबारा साझा किया। उन्होंने कहा, ''सड़क के बीच में एक बकरे को मार कर अन्नामलाई के खिलाफ नारे लगाना और लोकसभा चुनाव में उनकी हार का जश्न मनाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राजनीतिक दल तमिलनाडु में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से डरे हुए हैं। यह कृत्य विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति के निम्नतम स्तर को दिखाता है।''

तिरुपति ने कहा, ''वीडियो में सुना जा सकता है कि छोटे बच्चों से अन्नामलाई के खिलाफ नारे लगवाए गए। बच्चों में नफरत और गुस्सा भड़काना बेहद निंदनीय है और ये विपक्ष की मूर्खतापूर्ण, गंदी राजनीति को उजागर करता है। हम इन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और इनकी गिरफ्तारी की उम्मीद करते हैं।'' कोयंबटूर में पत्रकारों से बात करते हुए अन्नामलाई ने कहा, ''यदि द्रमुक के कार्यकर्ता मुझसे इतने नाराज हैं तो मैं यहां कोयंबटूर में हूं... निर्दोष बकरे की जान को बख्शा जा सकता था।''

तमिलनाडु में 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाले गुट ने राज्य की सभी 39 सीटों के साथ-साथ एकमात्र पड़ोसी पुडुचेरी सीट पर भी जीत हासिल की। तमिलनाडु में भाजपा नीत गठबंधन का नेतृत्व करने वाले अन्नामलाई कोयंबटूर सीट से द्रमुक के गणपति पी राजकुमार से हार गए थे।

देवराज अर्स की राह पर चलने की कोशिश कर रहे हैं मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि देवराज अर्स ने कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता के रूप में इस राज्य में बदलाव लाने की कोशिश की। हमारी सरकार भी उनके बताए रास्ते पर चलने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है। वह विधान सौधा परिसर में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स की 42वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देवराज अर्स एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति थे, सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कई लोकप्रिय योजनाओं को लागू किया। उन्होंने आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से वंचितों को ऊपर उठाकर उनका उत्थान करने का प्रयास किया। उन्होंने हवनूर आयोग की स्थापना की और शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया। कर्नाटक एकीकरण आंदोलन के बाद 1973 में मैसूर राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इसकी 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूरे राज्य में समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

देवराज अर्स एक ऐसे नेता थे जो गरीबों, शोषितों और सामाजिक न्याय के लिए खड़े हुए। इसीलिए हम उन्हें सामाजिक न्याय का अग्रदूत कहते हैं। उन्होंने कहा कि भूमि सुधार अधिनियम को लागू करने और जोतने वाले को मालिक घोषित करने का श्रेय उन्हें जाता है। कांग्रेस पार्टी ही सामाजिक न्याय के लिए खड़ी है। देवराज अर्स ने कर्नाटक में आठ साल तक मुख्यमंत्री रहते हुए सामाजिक न्याय की नींव रखी। इसके आधार पर कर्नाटक में सामाजिक न्याय की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सामाजिक न्याय पर चल रही है।

तमिलनाडु में कांग्रेस उम्मीदवार

सेंथिल सबसे ज्यादा अंतर से चुनाव जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी शशिकांत सेंथिल तमिलनाडु में सबसे ज्यादा अंतर से लोकसभा चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, तिरुवल्लूर संसदीय सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े सेंथिल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी पी. बालगणपति को 5,72,155 मतों के अंतर से शिकस्त दी है। सेंथिल को 7,96,956 वोट मिले जबकि बालगणपति को 2,24,801 मत प्राप्त हुए।

सेंथिल को 7,96,956 वोट मिले जबकि बालगणपति को 2,24,801 मत प्राप्त हुए।

वहीं, विरुधुनगर निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के मणिकम टैगोर राज्य में सबसे कम अंतर से जीतने वाले प्रत्याशी हैं। उन्होंने डीएमडीके के विजय प्रभाकरण को 4379 वोट से पराजित किया है।

द्रमुक के वरिष्ठ नेता टी आर बालू ने रिकॉर्ड सातवीं बार चुनाव जीता है। उन्होंने श्रीपेरुमबुदुर सीट से अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार जी. प्रेमकुमार को 4,87,029 मतों के अंतर से हराया है और यह राज्य में जीत का दूसरा सबसे बड़ा अंतर है। बालू को 7,58,611 वोट मिले जबकि प्रेमकुमार को 2,71,582 मत हासिल हुए।

तूतीकोरिन सीट पर द्रमुक की कनिमोझी ने अन्नाद्रमुक के प्रत्याशी आर. शिवसामी वेलुमणि पर निर्णायक जीत हासिल की। उन्होंने 3,92,738 वोट के बड़े अंतर से वेलुमणि को हराया है। पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि की बेटी कनिमोझी को 5,40,729 वोट मिले, जबकि वेलुमणि को 1,47,991 मत प्राप्त हुए।

भाजपा उम्मीदवार के कर्मचारियों से जब्त नकदी के मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेल्ली लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नैनार नागेन्द्रन के होटल कर्मचारियों से 3.99 करोड़ रुपये की बरामदगी के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया।

नागेन्द्रन तमिलनाडु विधानसभा में तिरुनेलवेल्ली सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं और मामले में पुलिस के सीबी-सीआईडी विभाग ने प्राथमिकी दर्ज की है।

न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने भाजपा की प्रदेश इकाई के संगठन सचिव केशव विनयागम की याचिका खारिज कर दी। हालांकि न्यायमूर्ति जयचंद्रन ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता को परेशान न करे। विनयागम ने अपनी याचिका में कहा था कि गत छह अप्रैल को उड़नदस्ते ने तम्बारम में नेल्लई एक्सप्रेस की तलाशी ली थी और नागेन्द्रन के होटल कर्मचारियों- सतीश और पेरुमल तथा नवीन नामक एक व्यक्ति से नकदी बरामद की थी।

उन्होंने कहा कि टीम ने 3.99 करोड़ रुपये जब्त किये थे और यह राशि तहसीलदार को सौंप दी गयी थी, उसके बाद पुलिस ने एक मामला दर्ज किया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। याचिकाकर्ता के अनुसार, सीबी-सीआईडी ने फिर से एक मामला दर्ज किया और तीनों आरोपियों का बयान दर्ज किया। उनके बयानों के आधार पर पुलिस ने कुछ और व्यक्तियों के बयान दर्ज किये।

विनयागम ने कहा कि गत 20 मई को याचिकाकर्ता और दो अन्य व्यक्तियों को अगले दिन पुलिस के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी किया गया था। उन्होंने संसदीय चुनाव के दौरान तमिलनाडु में बतौर प्रभारी व्यस्त रहने का हवाला देकर पेश होने में अक्षमता जताई थी। उन्होंने कहा कि समन जारी करने के लिए कोई उचित आधार नहीं दिया गया था और यह भी नहीं बताया गया थ कि किसके बयान के आधार पर उन्हें जांच के लिए पेश होने को कहा गया।

आदिवासी इलाकों में रिक्त पद प्राथमिकता से भरे जाएं : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य के आदिवासी इलाकों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल तथा शैक्षणिक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरे जाने के लिए भी सर्वोच्च प्राथमिकता रखते हुये कार्य करने का आह्वान किया है। मिश्र बृहस्पतिवार को यहां राजभवन में जनजाति कल्याण के लिये संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे।

आधिकारिक बयान के अनुसार मिश्र ने राज्य के जनजाति क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक विकास के तीव्र विकास के प्रयास किए जाने का आह्वान किया और आदिवासी क्षेत्रों में रिक्त पदों को भरने के लिए भी सभी स्तरों पर गंभीर प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में मजबूत स्वास्थ्य तंत्र विकसित हो तथा सहज एवं सस्ता उपचार उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने आदिवासी इलाकों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल तथा शैक्षणिक और अशैक्षणिक रिक्त पदों को भरे जाने के लिए भी सर्वोच्च प्राथमिकता रखते कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के साथ आदर्श गांवों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग किए जाने पर भी जोर दिया।

बैठक में जनजाति विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी तथा विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया। संबंधित अनुसूचित क्षेत्रों के जिला कलेक्टर भी बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए। इसके अनुसार मिश्र ने वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाने वाली उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति की स्वीकृति और भुगतान समय पर और शत प्रतिशत किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृति आवेदन प्रक्रिया सहज और सरल बनाई जाए ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सके। मंत्री खराड़ी ने मनरेगा के तहत जिलों में कैंप लगाकर अधिकाधिक श्रम कार्ड बनाने, श्रमिकों को पेंशन और अन्य सुविधाओं का समुचित लाभ दिलाने के लिए भी सभी स्तरों पर प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने आदिवासी क्षेत्र कल्याण के लिए सभी को प्रतिबद्ध होकर काम करने पर जोर दिया।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के अगले दिन कोटा में अभ्यर्थी ने की खुदकुशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी (नीट-यूजी) के परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही राजस्थान के कोटा में 18 वर्षीय एक अभ्यर्थी ने एक इमारत की नौवीं मंजिल से कथित तौर पर कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान बागीशा तिवारी के रूप में हुई है और वह इसी इमारत की पांचवीं मंजिल पर अपनी मां और भाई के साथ रहती थी।

पुलिस ने बताया कि उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मूलरूप से मध्य प्रदेश के रीवा जिले की निवासी बागीशा तिवारी कोटा के एक कोचिंग संस्थान में नीट-यूजी की तैयारी कर रही थी।

जवाहर नगर पुलिस थाने के सर्किल इंस्पेक्टर हरिनारायण शर्मा ने बृहस्पतिवार सुबह 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उसका भाई 12वीं कक्षा में पढ़ता है और वह संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने मंगलवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित किए थे। सर्किल इस्पेक्टर ने बताया कि तिवारी जब इमारत की नौवीं मंजिल की बालकनी से छलांग जाने जा रही थी तो एक महिला ने उसे ऐसा करते हुए देखा था और उसे रोकने की कोशिश की भी लेकिन वह असफल रही।

शर्मा ने बताया कि परिवार के सदस्य और अन्य लोग उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान एक घंटे बाद उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने नीट-यूजी की परीक्षा दी थी लेकिन उसने यह कदम क्यों उठाया इस बारे में फिलहाल पता नहीं चला है।

यादव के अलवर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर से नवनिर्वाचित सांसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव निर्वाचन के बाद गुरुवार को पहली बार यहां पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भाजपा कार्यालय में यादव का पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

यादव ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अलवर की जनता ने जो उन पर विश्वास व्यक्त किया है, वह उन विश्वास पर खरा उतरेंगे।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चुनाव के दौरान जो उन्होंने वादे किये थे, एक सांसद के रूप में वे वादे पूरे करेंगे और जो अलवर में मुख्य रूप से पानी की समस्या है उसकी प्राथमिकता से काम करेंगे। उन्होंने कहा, मैं अब सबका हूं, पूरा अलवर मेरा है, उनकी प्राथमिकता यही रहेगी कि पानी के काम को पूरा किया जाये और मैं कभी भी अपनी प्राथमिकतायें नहीं बदलता। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। दस साल उन्होंने बेमिसाल काम किया, भारत अर्थव्यवस्था की दृष्टि से पांचवी महाशक्ति बनाया। गरीब कल्याणकारी योजना पर काम हुआ। देश ने आशा एवं विश्वास व्यक्त किया और भारत को विश्व शक्ति बढ़ाने के लिए अब तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी दलों ने उनका समर्थन किया है और निश्चित रूप से बहुत अच्छा काम होगा। उन्होंने कहा कि उनके पास ओडिशा का कार्यभार था। 40 दिन वही रहा और यह एनडीए की करामात रही कि भारतीय जनता पार्टी पहली बार वहां बहुमत से सरकार बनाने जा रही है।

बीकानेर में बजरी, सिलिका सेंड की नीलामी को हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बीकानेर के हाड़ला बरसिंगसर के रिक्त क्षेत्र में बजरी, सिलिका सेंड और बॉल क्ले के विपुल भण्डारों को देखते हुए राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में नीलामी के लिए खनन प्लॉट तैयार करके नीलामी की हरी झण्डी दे दी है। खान सचिव (खनन) आनन्दी ने बताया कि बीकानेर के हाडला बरसिंगसर का 272 वर्ग किलोमीटर और भाने का गांव, लौहिया का 319 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अधिसूचना जारी करके अनारक्षित घोषित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में बजरी, सिलिका सेंड और बॉल क्ले के विपुल भण्डारों को देखते हुए अधिकारियों को जल्द ही खनन प्लॉट तैयार करके नीलामी की तैयारी करने के निर्देश दिये गये हैं।

श्रीमती आनन्दी ने बताया कि पूर्व में यह क्षेत्र आरक्षित होने के कारण प्लॉट्स की नीलामी नहीं हो पा रही थी।

इससे अवैध खनन पर प्रभावी रोक लग सकेगी। इसके साथ ही बीकानेर, चुरु, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ सहित आसपास के क्षेत्र में बजरी की सहज उपलब्धता संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बजरी, सिलिका सेंड और बॉल क्ले के वैध खनन से सरकारी राजस्व में बढ़ोतरी, रोजगार के नए अवसर, सेरेमिक उद्योग एवं उसमें रोजगार के अवसर और वैध बजरी की सहज उपलब्धता से बजरी के भावों में कमी आने से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

श्रीमती आनन्दी ने बताया कि एक मोटे अनुमान के अनुसार हाडला में ही 600 हेक्टेयर में नीलामी के लिये प्लॉट तैयार होंगे। उन्होंने बताया कि आरंभिक खोज के अनुसार हाड़ला बरसिंगसर के रिक्त क्षेत्र के 258 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में दो मीटर की गहराई के बाद पांच से सात मीटर तक बजरी और सिलिका सेंड के भण्डार हैं, वहीं 10 मीटर की गहराई में बॉल क्ले के भण्डार उपलब्ध होने के संकेत हैं। उन्होंने बताया कि एक मोटे अनुमान के अनुसार अकेले बॉल क्ले का ही करीब तीस लाख टन के भण्डार होने की संभावना है।

उधर खान निदेशक भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी होने के साथ ही विभाग द्वारा प्लॉट तैयार करने का काम आरंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इससे आसपास के क्षेत्र में बजरी की उपलब्धता बढ़ने से आम नागरिकों और निर्माण क्षेत्र को लाभ होगा। खनिज बॉल क्ले के खनन से क्षेत्र में सेरेमिक उद्योग के लिये कच्चे माल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

नाबालिग भतीजे व भतीजी की हत्या कर ट्रेन के आगे कूदा युवक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक युवक ने अपनी नाबालिग भतीजी और भतीजे की चाकू मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपनी भाभी पर भी हमला किया, जिनका यहां सरकारी एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार रात यहां झोटवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई। रघुवीर सिंह ने अपने भाई लक्ष्मण की पत्नी शकुंतला के साथ तीखी बहस के बाद उस पर तथा उसके करीब एक साल के बेटे सूर्य प्रताप और बेटी दिव्यांशी (12) पर हमला कर दिया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों बच्चों की मौत हो गई और शकुंतला का इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, हमले के बाद रघुवीर घर से निकल गया और कनकपुरा के पास चलती ट्रेन के आगे कथित तौर पर कूद गया। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त रघुवीर का भाई लक्ष्मण घर में मौजूद नहीं था। प्राथमिक जांच में पता चला है कि रघुवीर का लक्ष्मण से जायदाद संबंधी विवाद था। इस मुद्दे पर रघुवीर का अपनी भाभी यानी लक्ष्मण की पत्नी से झगड़ा हुआ और तैश में आकर उसने उस पर चाकू से हमला कर दिया। बाद में उसके बच्चों पर भी हमला किया।

प्री-बजट बैठक में वित्त मंत्री दीया कुमारी को नहीं बुलाया, विपक्ष को मिला मुद्दा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा चुनावों में 11 सीटें गंवाने के बाद भी राजस्थान की भाजपा सरकार के हालात और रवैया बदलने का नाम नहीं ले रहे। वित्त विभाग अफसरों की मनमर्जी का आलम ये है कि प्री-बजट जैसी अहम बैठक में वित्त मंत्री का नाम ही नहीं है। आगामी बजट की तैयारियों को लेकर वित्त विभाग ने मुख्यमंत्री भजनलाल की अध्यक्षता में प्री-बजट मीटिंग बुलाई, लेकिन वित्त मंत्री दीया कुमारी को इस बैठक की सूचना की प्रतिलिपि भेजकर इतिश्री कर ली गई। बैठक के आगंतुकों की सूची में उनका नाम तक शामिल नहीं किया गया। क्या राजस्थान की अफसरशाही अपनी ही सरकार के खिलाफ माहौल बनाने में लगी है? प्री-बजट मीटिंग को लेकर वित्त विभाग की तरफ से बैठक का जो नोटिस जारी किया गया है, उसमें वित्त मंत्री का नाम ही गायब है। सिर्फ मीटिंग नोटिस की प्रतिलिपि दीया कुमारी के विशिष्ट सहायक को मार्क की गई है। ब्यूरोक्रेसी की इस हरकत को विपक्ष ने मुद्दा बना लिया है, जो आने वाले बजट सत्र में सरकार को भारी पड़ सकता है।

हालांकि वित्त मंत्री दीया कुमारी फिलहाल जयपुर में नहीं हैं, लेकिन प्रोटोकॉल के हिसाब से मीटिंग नोटिस में कम से कम उनका नाम शामिल होना चाहिए था। हालांकि वित्त मंत्री के ऑफिस ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है, लेकिन ये तय है कि मामला अब ऊपर तक जाएगा। लोकसभा चुनावों में पोस्टल बैलेट में कर्मचारी वर्ग की नाराजगी साफ देखी जा रही है। इसके बाद भी सरकार के लिए कर्मचारियों में नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है। वित्त विभाग के अफसरों की मनमर्जी का आलम ये है कि न सिर्फ वित्त मंत्री बल्कि बजट तैयार करने वाले वित्त विभाग का अकाउंटस कैडर ही गायब कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक कार्मिक विभाग की तरफ से राजस्थान अकाउंटस एसोसिएशन का नाम बैठक में शामिल होने वाले कैडर्स की लिस्ट में था, लेकिन वित्त विभाग के स्तर पर इसमें कांट-छांट कर दी गई। अब राजस्थान अकाउंटस एसोसिएशन में इसे लेकर भारी रोष पनप रहा है। मामले की शिकायत उच्च स्तर तक किए जाने की बात कही जा रही है। ये बैठक आज गुरुवार को प्रस्तावित थी, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली जाने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। बैठक में राजस्थान के 47 कैडर्स को न्योता दिया गया है, लेकिन वित्त विभाग में चल रही आपसी खींचतान के चलते राजस्थान अकाउंटस एसोसिएशन को नहीं बुलाया गया।

राजस्थान अकाउंटस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष मेघवाल ने कहा कि सीएमओ ने नई सरकार की पहली बजट मीटिंग के लिए कर्मचारी संगठनों की मीटिंग आयोजित की, लेकिन अधीनस्थ लेखा सेवा कैडर को उक्त मीटिंग में आमंत्रित नहीं किया, जबकि ये बजट बनाने और उसके विनियोजन में एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

स्वागत

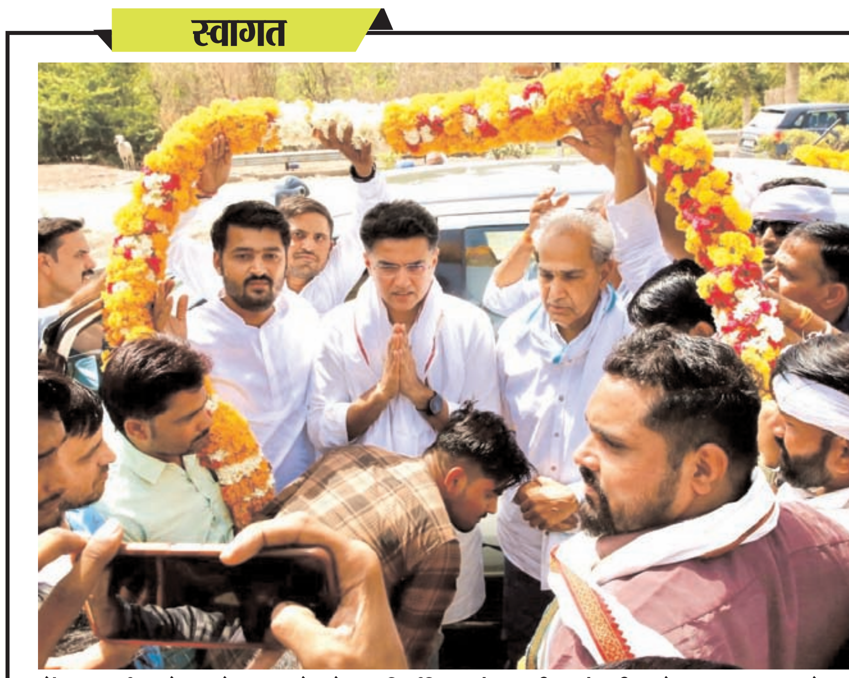

टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद हरीश चंद्र मीणा के साथ गुरुवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के टोंक पहुंचने पर नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं लोगों ने उनका स्वागत किया।

हीट वेव का सर्वे करने हर घर जाएंगी आशा, सीएमएचओ ने बैठक में दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले में भीषण गर्मी का दौर जारी है। इसी बीच राज्य सरकार के निर्देशानुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सर्तक है और हर कदम पर आमजन को राहत देने के लिए प्रयासरत है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीताराम मीणा ने मानपुर, बांदीकुई और छारेडा चिकित्सा केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बांदीकुई में उन्होंने आशाओं, एएनएम व अन्य चिकित्सार्कमियों व अधिकारियों की बैठक ली और कहा कि प्रत्येक आशा को प्रतिदिन कम से कम 15 से 20 घरों में हीट वेव का सर्वे करना है। यदि किसी भी घर में बुखार, लू-तापघात का मरीज

मिले तो तुरंत उसे नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाकर उपचार करवाने की अपील करें। उन्होंने यहां आरसीएच गतिविधियों की जानकारी ली और दवाओं की उपलब्धता भी जांची। इस अवसर पर बीसीएमओ डॉ. एलएस गुप्ता, पीएमओ डा. सुनील कुमार सोनी, बीपीएम लोकेश खंडेलवाल, कनिष्ठ सहायक हेमराज सुलानिया, नर्सिंग ऑफिसर मनीष कुमार शर्मा सहित सभी आशाएं, एएनएम, चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहे।

मानपुर और छारेडा केन्द्रों पर डॉ. मीणा ने निरीक्षण के दौरान चिकित्सार्कमियों को भी हीटवेव के प्रति सर्तक किया और कहा कि गर्मी अधिक है, से में उपचार के लिए आने वाले मरीजों के साथ उचित व्यवहार करें। कहीं से भी व्यवहार संबंधित कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए।

गहलोत सरकार में नौकरी पाने वाले कर्मचारियों की जांच के लिए कमेटी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भजनलाल सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पिछले 5 साल में सरकारी नौकरी पाने वाले कर्मचारियों की जांच कराई जाएगी। इसके लिए कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिए है। बता दें राजस्थान में पेपर लीक की वजह से कई भर्तियां रद्द कर दी गई है। जबकि कई एसआई भर्ती जांच के दायरे में है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार फर्जी दस्तावेज और डमी कैंडिडेट बैठाकर नौकरी पाने वाले कर्मचारियों पर अब कार्रवाई होगी। कार्मिक विभाग ने सभी विभागों को आदेश भेजा है। पिछले पांच साल में सरकारी नौकरी पाने वाले सभी कर्मचारियों की जांच की जाएगी।

कार्मिक विभाग के अनुसार पिछले 5 साल में फर्जी दस्तावेज और डमी कैंडिडेट बैठाकर सरकारी नौकरी ली गई। विभाग ने कमेटी का गठन कर दिया है। अब कमेटी जांच करेगी की नौकरी वाला व्यक्ति खुद परीक्षा देकर नौकरी पाया या किसी डमी कैंडिडेट को बैठाकर नौकरी हांसिल की। उनके सभी दस्तावेज की भी जांच होगी।

एसओजी में राजस्थान में डमी कैंडिडेट बैठाकर अलग-अलग परीक्षाए पास करने वालों पर एसओजी और पुलिस ने कार्रवाई की है। एसओजी ने मामले में 3 लोगों को गिरफ्तर किया था। एसओजी ने कर्मचारी चयन बोर्ड की अध्यापक भर्ती परीक्षा व शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा में अपने स्थान पर डमी कैंडिडेट बिठाने वाले अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया था। अरविंद ने 15 लाख रुपए देकर अपने बदले डमी कैंडिडेट बैठाया था।

फ्रांस की सीनेट में देश-विदेश की 35 हस्तियों को मिला भारत गौरव अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। फ्रांस की सीनेट में भारत गौरव अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया जिसमें देश-विदेश की 35 नामी हस्तियों को भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। जयपुर के गैर सरकारी संगठन संस्कृति युवा संस्था द्वारा यह अवार्ड समारोह वर्ष 2012 से जारी है और इस अवार्ड समारोह में भारत, ब्रिटेन, अमरीका, न्यूजीलैंड, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, दुबई, लंदन, इटली, स्विटजरलैंड, स्पेन, जिनेवा, पौलेंड, थाईलैंड, बैंकाक सहित कई देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। संस्कृति युवा संस्था के अनुसार इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के दौसा जिले में स्थित मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ. नरेश पुरी महाराज ने कहा कि भारतीयों ने पूरे विश्व में भारत का नाम रौशन किया है। जब भारत को आजादी मिली थी तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक दिन विश्व पटल पर भारतीय इस प्रकार अपनी पहचान बनायेगें। आज सभी क्षेत्रों में भारतीय लोग अग्रणी भूमिका निभा रहे है और पूरे विश्व में भारतीयों की धाक बढ रही है।

इससे पहले महंत पुरी महाराज ने हनुमान चालीसा के पाठ के साथ अपना संबोधन प्रारम्भ करते हुए कहा कि हम सबको अपने जीवन में बालाजी का आशीर्वाद लेना चाहिए, तो निश्चित रूप से जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि वह जहां भी जाते है तो अपने कार्यक्रम का प्रारम्भ हनुमान चालीसा से करते है और आज पहली बार फ्रांस की सीनेट में हनुमान चालीसा के पाठ बालाजी महाराज के आशीर्वाद से करने का सौभाग्य उन्हें मिला है।

इस अवसर पर समारोह में सीनेट में वाइस प्रेसिडेंट डोमिनिक थियोफाईल ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे विश्व में भारतीयों का दबदबा है और हर क्षेत्र में भारतीय कार्य कर रहे हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुये संस्कृति युवा संस्था के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि हमें तय करना है कि हम अपने देश की माटी से इस प्रकार जुड़े रहे की हमारा अपनापन और भारतीयता लगातार आगे बढे।

मिश्रा ने कहा कि संस्कृति का यह 11वां आयोजन है और संस्कृति ने जयपुर मैराथन और सामाजिक जन आंदोलन और सामाजिक संचेतना का जो कार्य हाथ में ले रखा है वो लगातार इसी प्रकार आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि पेरिस में आकर यह सम्मान समारोह आयोजित करना हम सबके लिये गौरव की बात है। जिन विभूतियों को आज भारत गौरव अवार्ड मिला है उन्हें वह देश के विकास के लिए युवाओं को आगे लाया जाना चाहिए।

भारतीय दूतावास के अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि अब भारतीय पूरे विश्व में अपनी धाक जमा रहे है।

आमजन के कार्यों में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं होगी : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आम जनता से जुड़े कार्यों को समय से पूरा करने की हिदायत देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बरदाश्त नहीं की जाएगी।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम किया। इसमें बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने एकएक कर फरियादी के पास पहुंचकर उनकी समस्या जानी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन से जुड़े कार्य निश्चित समयसीमा में हों तथा किसी भी काम में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दे सरकार की प्राथमिकता में हैं। जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर युवा से न सिर्फ उसकी व्यक्तिगत परेशानी पूछी, बल्कि उनसे कई मुद्दों पर बातचीत भी की। युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर योगी से बातें साझा कीं। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि जनता से जुड़े जो भी मुद्दे अदालत में लंबित हैं, उनमें अपना पक्ष पेश करते हुए प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराई जाए।

जद (यू) की नज़र केंद्र में 'तीन' मंत्रालयों पर, राज्य को विशेष दर्जा देने की भी मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्र में अगली सरकार के गठन के लिए भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगियों पर काफी हद तक निर्भर रहने के बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू) केंद्रीय मंत्रिमंडल में ''सम्मानजनक'' प्रतिनिधित्व दिए जाने की उम्मीद कर रही है।

नीतीश ने 2019 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल एक स्थान की पेशकश को ठुकरा दिया था, और तीन साल तीन साल बाद उनकी पार्टी ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था। राजग में तेदेपा के बाद जद(यू) भाजपा की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी बनकर उभरी है। नाम नहीं बताने की शर्त पर जद (यू) के एक शीर्ष नेता ने कहा कि पार्टी की नजर कैबिनेट की ''तीन'' सीट पर है, जिससे उसे जाति गणना का प्रबंधन करने में मदद मिल सकती है, जो अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण है।

बिहार में 12 लोकसभा सीटें जीतने वाली जद(यू) के वरिष्ठ नेता और बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा से कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और हमारे नेता नीतीश कुमार जी के द्वारा तय किया जाएगा। कुमार ने कहा, ''केंद्रीय मंत्रिमंडल में जद(यू) को कितने मंत्री पद मिलनी चाहिए, इस बारे में निर्णय हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (नीतीश कुमार) करेंगे, लेकिन यह ''सम्मानजनक'' होना चाहिए।'' मुख्यमंत्री के गृह जिला नालंदा से 1995 से विधायक और उनके

करीबी माने जाने श्रवण कुमार ने हालांकि केंद्रीय मंत्रिमंडल में सम्मानजनक प्रतिनिधित्व के बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया और कहा, ''2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, इसबारे में निर्णय लिया जाना चाहिए।''

जद(यू) सूत्रों ने कहा कि पार्टी को चुनाव से पहले कथित तौर पर तीन कैबिनेट पद और एक राज्य मंत्री (एमओएस) पद देने का वादा किया गया था। 2004 और 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद यह जद(यू) का तीसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है जब पार्टी ने क्रमशः आठ और दो सीटें जीती थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 16 सीटें जीती थीं। सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार अपनी पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों के लिए भी बड़े मंत्रालयों रेलवे, ग्रामीण विकास, कृषि, जल संसाधन एवं भारी उद्योग जैसे विभागों की मांग कर सकते हैं।

नाम न छापने की शर्त पर पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा, ''अगर हमारे सांसदों को ये मंत्रालय मिलते हैं, तो यह जद(यू) को बिहार के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाएं प्राप्त करने में मदद करेगा और इससे राज्य में विकास कार्यों में तेजी आएगी।'' पार्टी के भीतर मंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माने जाने वालों राज्यसभा सांसद संजय झा, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर), कौशलेंद्र कुमार (नालंदा) रामप्रीत मंडल (झंझारपुर) और लवली आनंद (शिवहर) का नाम शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि पार्टी केंद्रीय मंत्रिमंडल में उच्च जाति, अन्य पिछड़ी जाति, अत्यंत पिछड़ी जाति और एक महिला सांसद को भेजने का प्रयास करेगी।

इसके अलावा जद(यू) नेता इस बात पर भी जोर दे रहे हैं कि वह राज्य के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा जैसी अपनी लंबे समय से लंबित मांगों पर कायम रहेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को कहा था, ''जद(यू) राजग में है और इसमें बना रहेगा। लेकिन बिहार की वित्तीय स्थिति और अर्थव्यवस्था से संबंधित कुछ मांगें हैं जिन्हें केंद्र द्वारा संबोधित करने की आवश्यकता है।''

क्या नरेन्द्र मोदी बिहार और आंध्र के लिए विशेष राज्य के दर्जे का वादा पूरा करेंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को तंज कसते हुए निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''एक तिहाई प्रधानमंत्री'' करार दिया और उनसे यह बताने को कहा कि क्या वह आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे के वादे को पूरा करेंगे?

इस लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगू देशम पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स ' पर पोस्ट किया, ''बार बार दावा किया जा रहा है कि अब मोदी 3.0 सरकार बनेगी। हक़ीक़त यह है कि अबकी बार, मोदी एक तिहाई सरकार। उन्होंने कहा, एक तिहाई प्रधानमंत्री बनने जा रहे मोदी जी से हमारे 4 सवाल : 30 अप्रैल 2014 को पवित्र नगरी तिरुपति में आपने आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने का वादा किया था। क्या वह वादा अब पूरा होगा? रमेश ने सवाल किया कि क्या आप विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण को अब रोकेंगे? उन्होंने यह भी पूछा, क्या आप बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देकर अपने 2014 के चुनावी वादे और अपने सहयोगी नीतीश कुमार की 10 साल पुरानी मांग को पूरा करेंगे? क्या आप बिहार की तरह ही पूरे देश में जाति जनगणना करवाने का वादा करते हैं?''

सरकार गठन की कवायद के बीच जद (यू) ने अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग उठाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के महत्वपूर्ण घटक दल जनता दल (यूनाइटेड) ने केंद्र में सरकार गठन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से की जा रही कवायदों के बीच सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना की समीक्षा किए जाने की मांग उठाई है।

जद (यू) के वरिष्ठ नेता के सी त्यागी ने यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा, ''अग्निपथ योजना को लेकर मतदाताओं के एक हिस्से में नाराजगी रही है। हमारी पार्टी चाहती है कि विस्तार से उन कमियों और खामियों को दूर किया जाए जिसको लेकर जनता ने सवाल उठाए हैं।'' केंद्र सरकार ने साल 2022 में 14 जून को सेना में जवानों की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा की थी। कांग्रेस और कई विपक्षी दलों ने इस योजना का विरोध किया था। कुछ राज्यों में इसके विरोध में प्रदर्शन भी हुए थे।

कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में अग्निपथ योजना को बड़ा मुद्दा बनाया था और कहा कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो इसे रद्द कर देंगे। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद भाजपा और उसके नेता इस योजना का बचाव करते रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि युवाओं के लिए 'अग्निपथ' से अधिक आकर्षक कोई योजना हो ही नहीं सकती, क्योंकि यह चार साल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले 'अग्निवीरों' के लिए सशस्त्र बलों में पूर्णकालिक सरकारी नौकरी की गारंटी देती है। शाह ने कहा था कि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तरस आता है, जिन्होंने 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर इस अल्पकालिक भर्ती योजना को खत्म करने का वादा किया है। शाह ने दावा किया कि चार साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वालों के लिए नौकरी के अवसर उनकी संख्या से साढ़े सात गुना अधिक होंगे, क्योंकि उनके लिए विभिन्न राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आरक्षण की व्यवस्था की गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश के राजनीतिक सलाहकार और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता त्यागी ने हालांकि यह स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के खिलाफ नहीं है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में सत्ता में आने पर यूसीसी लागू करने का वादा किया है। त्यागी ने कहा, ''यूसीसी पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) विधि आयोग के अध्यक्ष को चिट्ठी लिख चुके हैं। हम इसके विरुद्ध नहीं हैं। लेकिन जितने भी हितधारक हैं, चाहे मुख्यमंत्री हों, विभिन्न राजनीतिक दल हों या समुदाय हों, सबसे बात करके ही इसका हल निकाला जाना चाहिए। जाति आधारित जनगणना के सवाल पर जद(यू) नेता ने कहा कि देश में किसी भी पार्टी ने इसके विरोध में नहीं कहा है। उन्होंने कहा, ''इस मामले में बिहार ने रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने भी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में इसका विरोध नहीं किया। जाति आधारित जनगणना समय की मांग है। हम इसे आगे बढ़ाएंगे।''

हमने प्रधानमंत्री मोदी को बिना शर्त समर्थन दिया है: चिराग पासवान

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बिना शर्त समर्थन दिया है, क्योंकि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत उनके नेतृत्व की जीत है। राजग के नेताओं ने बुधवार को सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री मोदी को सत्तारूढ़ गठबंधन का नेता चुना और गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों व समाज के वंचित वर्गों की सेवा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। लोकसभा चुनावों में राजग को बहुमत मिलने के एक दिन बाद पासवान ने प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर उनसे मुलाकात की थी। बुधवार की बैठक के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने पत्रकारों से कहा, हमने कल की बैठक में प्रधानमंत्री और उनके नेतृत्व को अपना समर्थन दिया। हमने बिना शर्त के विनम्रतापूर्वक उनका नेतृत्व स्वीकार कर लिया।

असम में 15 अगस्त तक मंत्रिमंडल फेरबदल होगा: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 15 अगस्त तक अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करेंगे और कम से कम तीन नए चेहरों को इसमें शामिल किया जाएगा, ताकि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले नई टीम तैयार की जा सके। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने इस बारे में केंद्रीय नेतृत्व से बात नहीं की है और राज्य में बाढ़ से उत्पन्न हालात बेहतर होने के बाद एक महीने में मंत्रिमंडल में फेरबदल की प्रक्रिया पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, हम मंत्रिमंडल में बदलाव कर इसे नया रूप देंगे। हमें 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए टीम तैयार करनी है, जो नई ऊर्जा के साथ काम करेगी।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है, क्योंकि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से बात नहीं की है। शर्मा ने कहा, बाढ़ से उत्पन्न हालात भी सामने हैं। लिहाजा, हम एक महीने बाद शुरू करेंगे। 15 अगस्त तक हम नया मंत्रिमंडल तैयार करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कम से कम तीन नये चेहरों को कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। शर्मा ने कहा,मंत्रिमंडल में दो पद पहले ही खाली हैं। हमारे मंत्री परिमल शुक्ला वैद्य ने लोकसभा चुनाव जीत लिया है, लिहाजा वह पद भी खाली होगा।

असम के आबकारी, परिवहन और मत्स्य पालन मंत्री परिमल शुक्लावैद्य ने सिलचर से 2,64,311 मतों के अंतर से जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मौजूदा मंत्रियों को बदला नहीं जा सकता, लेकिन उनके विभागों में फेरबदल किए जाने की संभावना है।

ओडिशा: राज्यपाल को अधिसूचना सौंपी गई, सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में चुनाव अधिकारियों ने राजभवन में राज्यपाल रघुबर दास को चुनाव परिणाम की राजपत्र अधिसूचना सौंप दी जिसके बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को शुरू हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) निकुंज बिहारी धाल ने राज्यपाल को राजपत्र अधिसूचना सौंपी। अधिकारी ने बताया कि अधिसूचना अगली विधानसभा के नए सदस्यों के चुना चुने जाने को लेकर है और इससे सदन के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्यपाल सचिवालय ने राज्य संसदीय विभाग को इसकी सूचना दे दी है। सीईओ के साथ निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। अधिकारी ने बताया कि नवनिर्वाचित विधायकों के संबंध में आयोग की अधिसूचना और ओडिशा की राजपत्र अधिसूचना राज्यपाल को सौंपी गई है। राज्यपाल ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य की समस्त चुनाव मशीनरी को बधाई दी।

राज्य में हाल में हुए चुनाव में बीजद की हार हुई है जिसके बाद नवीन पटनायक ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और इस तरह उनके 24 साल के शासन का अंत हो गया।

चुनाव परिणाम से जाहिर है कि भाजपा के अहंकार का पतन हुआ है : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों से जाहिर है कि भाजपा के अहंकार का पतन हुआ है, और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनादेश आया है। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश मंत्रिमंडल के 16 मंत्री लोकसभा चुनाव में अपनी विधानसभा हार गए हैं। केन्द्र में जो भाजपा 400 पार का नारा दे रही थी वह पूर्ण बहुमत में पाने से ही वंचित रह गयी।

पार्टी कार्यालय से जारी बयान में यादव ने कहा अयोध्या में जनता ने भाजपा की आशाओं पर पानी फेर दिया। वहां की जनता दुःखदर्द से कराहती रही। भाजपा सरकार ने गरीबों को उजाड़ दिया। उजड़े किसानों को पर्याप्त मुआवजा भी नहीं दिया गया। अपनी जमीन से उजड़े लोगों के पुनर्वास पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजें में जनता ने सबक सिखा दिया।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर लगाम नहीं लग रही है। किसान, नौजवान, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता सहित समाज का हर वर्ग परेशान है। उनका भविष्य अंधेरे में है। अग्निवीर योजना तुरन्त खत्म होनी चाहिए। जो जवान फौज में जाना चाहते हैं और उनकी उम्र समाप्त हो गई उन्हें फिर मौका मिलना चाहिए।''

लोस चुनाव में जीत के बावजूद भाजपा के बिप्लब देब फिर से त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बनने को इच्छुक

अगरतला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बिप्लब कुमार देव ने लोकसभा चुनाव में शानदार जीत के बावजूद फिर से त्रिपुरा का मुख्यमंत्री बनने की बृहस्पतिवार को प्रबल इच्छा व्यक्त की। देब ने साथ ही कहा कि लेकिन सब कुछ पार्टी पर निर्भर करता है।

देब के नेतृत्व में ही भाजपा 25 साल का कम्युनिस्ट शासन समाप्त कर 2018 में त्रिपुरा में सत्ता में आई थी। उस समय देब को मुख्यमंत्री बनाया गया था लेकिन चार साल बाद उन्हें अचानक पद से हटा दिया गया। इसके बाद माणिक साहा ने कार्यभार संभाला था और 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद भी वह राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की कमान संभाल रहे हैं। देब ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुख्यमंत्री राज्य का प्रमुख होता है जबकि केंद्रीय मंत्री प्रधानमंत्री के अधीन काम करता है। मैं राज्य की राजनीति में लौटने को प्राथमिकता दूंगा और मैं मुख्यमंत्री से नीचे के पद पर वापसी नहीं करूंगा। मैंने राज्य में मंत्री के तौर पर नहीं, सरकार के प्रमुख के तौर पर काम किया है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अंतिम प्राधिकार पार्टी के पास है।''

जनता का फैसला भाजपा की तानाशाहीपूर्ण राजनीति के खिलाफ है : गौरव गोगोई

जोरहाट (असम)/भाषा। असम की जोरहाट लोकसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि इस आम चुनाव के परिणामों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित तानाशाहीपूर्ण राजनीति के खिलाफ लोगों को एक ''बीमा पॉलिसी'' मुहैया कराई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा के अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रहने के कारण, उसके राजग सहयोगी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का समर्थन करेंगे और संसद में संवेदनशील मामलों पर भाजपा के खिलाफ मतदान करेंगे। गोगोई ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा, ''भारत के लोगों को (चुनाव परिणामों में) भाजपा की कथित तानाशाहीपूर्ण राजनीति के खिलाफ एक बीमा पॉलिसी मिल गई है।''तीन बार के कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि इस चुनाव में जनता ने भाजपा को करारी शिकस्त दी है।

सुनील छेत्री का रिकॉर्ड तोड़ना बेहद मुश्किल होगा : नबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत के पूर्व मिडफील्डर सैयद रहीम नबी ने गुरुवार को यहां सुनील छेत्री की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस स्टार फुटबॉलर ने जो रिकॉर्ड बनाए हैं उनको तोड़ पाना बेहद मुश्किल होगा। नबी ने यहां कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच से पहले पीटीआई से कहा,''उन्होंने (छेत्री) जो रिकॉर्ड बनाए हैं उनको तोड़ पाना बेहद मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा,''आईएम विजयन की जगह बाईचुंग भूटिया ने ली थी और भूटिया की जगह छेत्री ने ली थी। छेत्री की जगह भी कोई खिलाड़ी ले लेगा लेकिन उनका रिकॉर्ड क्या शानदार है।'' छेत्री और नबी ने भारत की तरफ से कई मैच एक साथ खेले हैं। कुवैत के खिलाफ मैच सुनील छेत्री का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच होगा।

हमारे गेंदबाजी कोर ग्रुप में काफी अनुभव और ईमानदारी है: हार्दिक पंड्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण में काफी अनुभव और ईमानदारी है तथा उन्हें विश्वास है कि टी20 विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

भारत ने बुधवार को आयरलैंड को 8 विकेट से हराकर विश्व कप में अपने अभियान का शानदार आगाज किया। हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी से कहा,''हमें आज बताया गया कि हमारी टीम के पास कुल 892 टी20 मैच खेलने का अनुभव है जो बहुत अधिक है।'' उन्होंने कहा,''इस तरह से हमारे पास काफी अनुभव है विशेष कर गेंदबाजी में जिसमें हमारे पास जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज है जो अभी नंबर एक गेंदबाज है। हमारे पास मोहम्मद सिराज है जिसने हाल के बरसों में शानदार प्रदर्शन किया है।'' हार्दिक ने कहा,''हमारे पास अर्शदीप सिंह है जो पिछले दो विश्व कप में खेल चुका है और उसने शानदार प्रदर्शन किया है तथा उनके खेल में लगातार सुधार होता जा रहा है।'' इस ऑलराउंडर ने कहा,''हमारे गेंदबाजी कोर ग्रुप में काफी अनुभव और काफी ईमानदारी है। हमें आज (बुधवार) विकेट से भी काफी मदद मिली।''

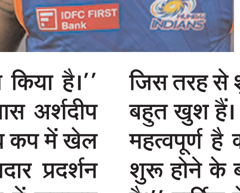

हार्दिक ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करके काफी खुश है। उन्होंने कहा,''हमने जिस तरह से शुरुआत की है उससे हम बहुत खुश हैं। लय हासिल करना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार टूर्नामेंट शुरू होने के बाद यह आगे बनी रहती है।'' हार्दिक ने कहा,''जब आप कड़ी मेहनत करते हैं और आपको उसके कारण सफलता मिलती है तो बहुत अच्छा लगता है। इसके अलावा यहां खेलना भी काफी रोमांचक है।'' मैच के बाद टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा की हार्दिक मैच में चार ओवर करने के लिए तैयार था तथा लगातार चोटों से परेशान रहे इस 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि वह अपने काम पर ध्यान दे रहे हैं। हार्दिक ने कहा,''जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं उनके लिए सब कुछ अनुकूल हो जाता है। खुद पर भरोसा रखना और अपनी क्षमता की पहचान करना महत्वपूर्ण है क्योंकि आप जानते हैं कि 30 वर्ष के हार्दिक का काम 60 वर्ष के हार्दिक से कहीं ज्यादा आसान है।'' हार्दिक का ध्यान पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले महत्वपूर्ण मैच पर टिका है।

प.बंगाल: टीएमसी समर्थकों ने प्रदेश भाजपा प्रमुख की कार को रोका, नारे लगाए

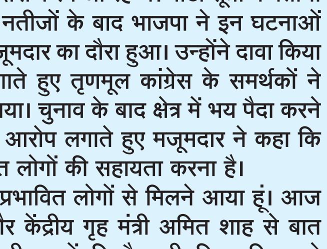

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने उत्तर 24 परगना के मिनखा गांव जा रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार की कार को रोक लिया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। मजूमदार चुनाव के बाद कथित तौर पर तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा की गई हिंसा से प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने जा रहे थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि चार जून को आए चुनाव नतीजों के बाद भाजपा ने इन घटनाओं को उठाया था जिसके बाद मजूमदार का दौरा हुआ। उन्होंने दावा किया कि 'जय बांग्ला' के नारे लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने मजूमदार की कार को रोक लिया। चुनाव के बाद क्षेत्र में भय पैदा करने का टीएमसी कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाते हुए मजूमदार ने कहा कि उनके दौरे का उद्देश्य प्रभावित लोगों की सहायता करना है।

उन्होंने कहा, मैं क्षेत्र के प्रभावित लोगों से मिलने आया हूं। आज रात मैं दिल्ली जा रहा हूं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करूंगा तथा उनसे राज्य में केंद्रीय बलों की मौजूदगी की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करूंगा। इसके अतिरिक्त, भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस से अशांत क्षेत्रों का दौरा करने का आग्रह किया। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा को 12 सीट मिलीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 29 सीट जीतीं।

सुविचार

जो होने वाला है वह होकर ही रहता है और जो नहीं होने वाला बहुत वह कभी नहीं होता, ऐसा निश्चय जिनकी बुद्धि में होता है, उन्हें चिंता कभी नहीं सताती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जन-जन का आंदोलन

इस बार चुनावी मौसम में सियासी पारा चढ़ने के साथ ही मौसम के मिज़ाज ने लोगों का कड़ा इम्तिहान लिया। गर्मी ने जितने पसीने छुड़ाए, उसे ध्यान में रखते हुए हमें भविष्य के लिए ऐसे प्रयास करने होंगे, जो धरती को बचाने में प्रभावी सिद्ध हों। पौधे लगाने, पर्यावरण का संरक्षण करने जैसी बातें भाषणों, निबंधों, उपदेशों और रिपोर्टों से निकलकर धरती पर क्रियान्वित होती दिखाई दें तो उनका फायदा होगा। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' की प्रासंगिकता बढ़ जाती है, क्योंकि यह एक तरफ तो माता और संतान के रिश्तों को नए आयाम देता है, दूसरी तरफ धरती को हरी-भरी बनाकर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है। दुनियाभर में 'विकास' और 'आधुनिकता' के नाम पर जिस तरह पेड़ काटे गए, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया गया, वह आज बहुत महंगा पड़ रहा है। हर साल वायु प्रदूषण के बारे में जानकारी देने वाली रिपोर्टें बताती हैं कि हवा में जहर घुलता जा रहा है। अगर अब न चेते तो भविष्य घोर कष्टमय होगा। देश के कई इलाकों में भूजल स्तर अत्यधिक चिंताजनक स्तर तक गिर चुका है। किसानों ने मजबूरन ऐसे कुओं को बंद कर रोजगार के अन्य रास्ते खोजने शुरू कर दिए हैं। कहीं अतिवृष्टि से जनजीवन प्रभावित हो रहा है तो कहीं अनावृष्टि से लोग लाचार हैं। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के असर की चपेट में सब आएंगे। कई देशों के समुद्र तटीय इलाके जलमग्न हो सकते हैं। अनाज, सब्जियों, फलों और फूलों की उपज घट सकती है, उनकी गुणवत्ता कमजोर हो सकती है। इन खतरों को टालना है तो हमें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी। ऐसी प्रथाओं को अपनाना होगा, जो कार्बन उत्सर्जन में कटौती कर सकें। ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने होंगे और उनकी देखभाल करनी होगी।

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान भी कुछ बूथों पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के प्रयास हुए, जिनसे मतदाताओं में बहुत अच्छा संदेश गया। उत्तर प्रदेश के महराजगंज में जिला प्रशासन ने ऐसे 'ग्रीन बूथों' पर आए 1,500 से ज्यादा मतदाताओं को पौधे वितरित किए। इसी तरह वैष्णो देवी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में पौधे भेंट करने का निर्णय अत्यंत प्रशंसनीय है। इस संदेश का अन्य स्वरूपों में भी प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है। विभिन्न शुभ अवसरों पर दिए जाने वाले तोहफों में पौधों को शामिल करना चाहिए। जन्मदिन, विवाह, सालगिरह, गृहप्रवेश ... जैसे अवसरों पर पौधे लगाने का चलन क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यही नहीं, स्वर्गवासी हो चुके बड़े-बुजुर्गों की याद में पौधे लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सकती है। लोगों को प्रकृति से जोड़ने की जरूरत है। यह समझाना होगा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। वायुमंडल में ऑक्सीजन और अन्य गैसों का आदर्श स्तर बनने में कई सदियां लगी थीं। अगर गैसों का संतुलन बिगड़ा, जो कि बिगड़ रहा है, तो उसका खामियाजा सबको भुगतना होगा। बेशक धरती पर पौधे लगाए भी जा रहे हैं। कई लोग इसे एक मिशन की तरह लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है। साथ ही, जो पौधे लगा दिए, उनकी देखभाल की ओर खास ध्यान देने की जरूरत है। प्राय: लोग पौधे तो लगा देते हैं, लेकिन बाद में उनकी उचित देखभाल नहीं करते। इससे वे पौधे पनप नहीं पाते। किस जगह कौनसे पौधे लगाएं, उन्नत किस्म के पौधे कहां मिलेंगे, खाद-पानी देने की आधुनिक व सरल विधियां कौनसी हैं, पौधों की देखभाल कैसे करें ... जैसे सवालों के जवाब आसानी से नहीं मिलते। लोगों की इन तक पहुंच आसान होनी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का आंदोलन बनाना होगा। उसी से धरती बचेगी, लोग बचेंगे।

ट्वीटर टॉक

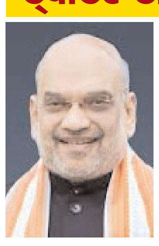

शिवाजी महाराज ने धर्म, राष्ट्रीयता, न्याय और जनकल्याण के स्तम्भों पर सुशासन की स्थापना कर हिन्दवी स्वराज्य के निर्माण हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए कठोर संघर्ष किए और आक्रांताओं के हौसले पस्त किए।

-अमित शाह

सौभाग्य,आरोग्य एवं दीर्घायु का वरदान देने वाले पवित्र 'वट सावित्री व्रत' की देश की सभी माताओं-बहनों को हार्दिक बधाई। आप सभी माताओं, बहनों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण हों; आपके जीवन में सुख, समृद्धि और वैभव बढ़े, यही मंगल कामना करता हूँ।

-अर्जुनराम मेघवाल

आज मुख्यमंत्री कार्यालय में पूर्वी राजस्थान के सर्वांगीण विकास को समर्पित 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ परियोजना की प्रगति व जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

मन की झोली

एक बार बुद्ध कहीं प्रवचन दे रहे थे। अपनी बात ख़त्म करते हुए उन्होंने आखिर में कहा, जागो, समय हाथ से निकला जा रहा है। सभा विसर्जित होने के बाद उन्होंने अपने प्रिय शिष्य आनंद से कहा, चलो थोड़ी दूर घूम कर आते हैं। आनंद बुद्ध के साथ चल दिए। अभी वे विहार के मुख्य द्वार तक ही पहुंचे थे कि एक किनारे रुक कर खड़े हो गये। प्रवचन सुनने आये लोग एक-एक कर बाहर निकल रहे थे, इसलिए भीड़-सी हो गई थी। अचानक उसमें से निकल कर एक स्त्री गौतम बुद्ध से मिलने आयी। उसने कहा, 'तथागत मैं नर्तकी हूं। आज नगर के श्रेष्ठी के घर मेरे नृत्य का कार्यक्रम पहले से तय था, लेकिन मैं उसके बारे में भूल चुकी थी। आपने कहा, समय निकला जा रहा है तो मुझे तुरंत इस बात की याद आई। धन्यवाद तथागत!' उसके बाद एक डकैत बुद्ध की ओर आया। उसने कहा, 'तथागत मैं आपसे कोई बात छिपाऊंगा नहीं। मैं भूल गया था कि आज मुझे एक जगह डाका डालने जाना था कि आज उपदेश सुनते ही मुझे अपनी योजना याद आ गई। बहुत-बहुत धन्यवाद!' उसके जाने के बाद धीरे-धीरे चलता हुआ एक बूढ़ा व्यक्ति बुद्ध के पास आया। वृद्ध ने कहा, 'तथागत! जिन्दगी भर दुनियावी चीजों के पीछे भागता रहा। अब मौत का सामना करने का दिन नजदीक आता जा रहा है, तब मुझे लगता है कि सारी जिन्दगी यूं ही बेकार हो गई। आपकी बातों से आज मेरी आंखें खुल गयीं।

सामयिक

अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छतीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए।

इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इडिया गठबंधन ने ई.वी.एम. और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र-विरोधी षड़यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है।

इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है।

देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी भी गठबंधन सरकार की चुनौतियों से जूझते रहे। लेकिन मोदी की स्थितियां भिन्न है, वे राजनीति के धुंरधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा विश्वास है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी।

वैसे भी भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत कार्य करने के कारण वह ऐसी सरकार के संचालन के तौर-तरीकों से अवगत हैं, लेकिन स्वयं उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश-विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी। उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि एवं कौशल है।

गठबंधन सरकारों के कुछ सकारात्मक पक्ष होते हैं तो कुछ नकारात्मक पक्ष भी। गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले को घटक दलों से समन्वय के साथ चलना होता है। इसमें समस्या तब आती है, जब घटक दल अनुचित मांगें मनवाने लगते हैं अथवा सौदेबाजी करने की कोशिश करते हैं या फिर अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति के लिए दबाव की राजनीति करने लगते हैं।

इन स्थितियों की निबटने के लिये मोदी सरकार पहले ही अन्य निर्दलयी सांसदों एवं अन्य राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ने का उपक्रम कर रही है। सहयोगी दल अनुचित मांग एवं दबाव की बजाय अपने राज्य के राजनीतिक एवं आर्थिक हितों की चिंता करें, लेकिन ऐसा करते समय उन्हें राष्ट्रीय हितों को ओझल नहीं करना चाहिए। यह उन्हें भी सुनिश्चित करना चाहिए कि गठबंधन सरकार सुगम तरीके से चले।

निश्चित ही मोदी सरकार के सामने चुनौतीपूर्ण स्थितियां हैं, जिस तरह महाभारत युद्ध में पांडवों के सामने जटिल स्थितियां थी। आज द्रोण नहीं तुष्टिकरण है, कृपाचार्य नहीं भ्रष्टाचार है, अश्वत्थामा नहीं आतंकवाद है, दुर्योधन नहीं महत्वाकांक्षा एवं अनैतिकता है, शकुनि नहीं आंतरिक और वैश्विक षड्यंत्र है, राष्ट्रवाद नहीं समस्त प्रकार की विघटनकारी शक्तियां-भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, स्वार्थवाद आदि हैं और कर्ण नहीं कट्टरवाद है। साथ में महंगाई, बेरोजगारी, असंतोष आदि की अत्यंत जटिल समस्याएं भी हैं और अब भारत इनमें फंसा हुआ है। फिर भी नरेन्द्र मोदी रूपी उजाला अपनी नई पारी में अधिक सशक्त होकर भारत के इन सभी चक्रव्यूह को भेदेगा। अपने राजनीतिक जीवन की सबसे सफलतम पारी खेलते हुए वह एक बार फिर नकारात्मक एवं अराष्ट्रवादी शक्तियों को उनकी जमीन दिखायेंगा।

विचार

रोकनी होगी भोजन की बर्बादी?

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती है। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि रोटी के बिना तो मनुष्य जिन्दा भी नहीं रह सकता है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। जो कि सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए इस बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस संक्षिप्त रूप में मनाया जाएगा। जिसमें लोगों को सेहत से जुड़े मुद्दों पर ऑनलाइन एक-दूसरे के साथ बातचीत करने का मौका मिलेगा। इस बार हम छठवां विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इससे खाद्य सुरक्षा लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जा सकती है और विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों को भी ध्यान में लाया जा सकता है। इस दिन को मनाने के पीछे खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने का उद्देश्य था। जो खराब भोजन का सेवन करने की वजह से गंभीर रोगों के शिकार बन जाते हैं।

भारत में अनाज को अन्नदेव का दर्जा प्राप्त है। यही कारण है कि हमारे देश में भोजन झूठा छोडना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है। मगर आधुनिकता के चक्कर में हम अपने पुराने संस्कार भूल गए हैं। हमारे यहां शादियों, उत्सवों या त्यौहारो में होने वाली भोजन की बर्बादी से हम सब वाकिफ हैं। इसके उपरांत भी हम इन अवसरों पर ढेर सारा खाना कचरे में फेंक है। कई बार तो घरों के आसपास फेंके गए भोजन से उठने वाली दुर्गंध एवं सड़ांध वहां रहने वालों के लिए परेशानी खड़ी कर देती हैं। शादियों में खाने की बर्बादी को लेकर भारत सरकार भी चिंतित है। खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि वह शादियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में विवाह समारोह अधिनियम, 2006 कानून भी बनाया गया है। हालांकि इस कानून का कड़ाई से कहीं भी पालन नहीं किया जाता है।

भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद चला जाता है। बर्बाद जाने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ों लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रूपये का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक ऑकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारीं जा सकती है।

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा सम्भव नहीं है। इस रिपोर्ट में वैश्विक खाद्य अपव्यय का अध्ययन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से करते हुए बताया है कि भोजन के अपव्यय से जल,जमीन और जलवायु के साथ साथ जैव-विविधता पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ों लोग खाने को मोहताज है। वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है।

आज कल कई शहरों में समाजसेवी लोगों ने मिलकर रोटी बैंक बना रखा हैं। रोटी बैंक से जुड़े कार्यकर्ता शहर में घरो से व विभिन्न समारोह स्थलों से बचे हुये भोजन को एकत्रित कर जरूरत मंद गरीबों तक पहुंचाते हैं। इससे जहां भोजन की बर्बादी रूकती हैं वहीं जरूरत मंदों को भोजन भी उपलब्ध होता है। इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान सोंचे, खाए और बचाए भी एक अच्छी पहल है। इसमें शामिल होकर की भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगा। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पायेगा। खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में देश में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं। महिलाओं को अपने घर के बच्चों में बचपन से यह आदत डालनी होगी कि जितनी भूख हो उतना ही खाना लो। एक-दूसरे से बांट कर खाना भी भोजन की बर्बादी को बड़ी हद तक रोक सकता है। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। धार्मिक लोगों एवं स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए।

नजरिया

नागरिकों में राष्ट्रवादी चरित्र आवश्यक

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य परंपरा के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता है। राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण नागरिकों के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता है। स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था। जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आईआईटी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे।

वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल है। इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन,विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया। भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया है। वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय, संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता हैश्र आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैं। यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता, प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढ़ियों का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों, कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन, करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा, कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है। देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल, हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता ,अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है। अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में स्कूलों का कक्षाओं में गोली कांड इसके बड़े विकृत उदाहरण हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने ट्रीस्ट विद डेस्टिनी के भाषण में भूख, भय, बीमारी, अज्ञान से पूर्णता मुक्ति की बात को भारत की नियति या डेस्टिनी कहा है।

वर्तमान में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए की कक्षाओं को चरित्र निर्माण, अनुशासन, उत्कृष्ट नवाचार, लोकतांत्रिक विचार संरचना का केंद्र बनाकर इसकी शिक्षा दीक्षा दी जानी चाहिए। कक्षाओं से बच्चे आर्थिक रूप से प्रौद्योगिकी स्थापित कर स्वयं अपने पैरों पर खड़े होकर आने वाले वर्षों में कई युवाओं को रोजगार देकर संपूर्ण मानवता, पर्यावरण की रक्षा तथा राष्ट्र के उत्कर्ष को सही दिशा देने का काम करेंगे। जिससे राष्ट्रीय चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रीयता की भावना को एक मजबूत आधार प्राप्त हो सकेगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाई ने सार्वजनिक तौर पर कबूला- लिट्टे संस्थापक प्रभाकरण और उसका पूरा परिवार 2009 में मारा जा चुका है

तमिल प्रवासियों के एक वर्ग ने दावा किया है कि प्रभाकरण और उसके परिवार के कुछ सदस्य अभी भी जीवित हैं। मनोहरन ने कहा, प्रभाकरन के बड़े भाई के रूप में, मैंने महसूस किया कि इन दावों को खारिज करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, ऐसी झूठी अफवाहें भी फैलाई गई हैं कि मेरा भाई जीवित है और विदेश में रह रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के संस्थापक वेलुपिल्लई प्रभाकरण के भाई ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भाई और उसका पूरा परिवार 2009 में मारा गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ तमिल लोग यह दावा करके लोगों को धोखा दे रहे हैं कि प्रभाकरण और उसके परिवार के कुछ सदस्य, विशेषकर उसकी एक बेटी जीवित हैं। लंकाएफटी (एफटी.एलके) पोर्टल की खबर के अनुसार वेलुपिल्लई प्रभाकरण के भाई वेलुपिल्लई मनोहरन ने कहा, वेलुपिल्लई प्रभाकरन, उसकी पत्नी और उसके तीन बच्चे मर चुके हैं और वे सभी 2009 में श्रीलंका युद्ध के अंतिम चरण में मारे गए थे। पोर्टल के अनुसार मनोहरन ने सार्वजनिक तौर पर पहली बार यह बात स्वीकार की है। लिट्टे ने श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए लगभग 30 वर्ष तक सैन्य अभियान चलाया था। मई 2009 में श्रीलंकाई सेना की कार्रवाई में वेलुपिल्लई प्रभाकरन मारा गया था। मनोहरन इस समय डेनमार्क में है।

एफटी.एलके पोर्टल की खबर में कहा गया है कि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है जिसे तमिल प्रवासियों के एक वर्ग द्वारा तमिलों से पैसे ठगने के लिए अंजाम दिया गया है। तमिल प्रवासियों के एक वर्ग ने दावा किया है कि प्रभाकरण और उसके परिवार के कुछ सदस्य अभी भी जीवित हैं। मनोहरन ने कहा, प्रभाकरन के बड़े भाई के रूप में, मैंने महसूस किया कि इन दावों को खारिज करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, ऐसी झूठी अफवाहें भी फैलाई गई हैं कि मेरा भाई जीवित है और विदेश में रह रहा है।

'डेलीमिरर डॉट एलके' की खबर के अनुसार मनोहरन ने कहा, मेरे भाई प्रभाकरन और उसके पूरे परिवार की मौत हो गई है। इस सच्चाई को स्वीकार करना बहुत जरूरी है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि मेरे भाई के परिवार के नाम पर इन धोखेबाजों के झांसे में न आएं।

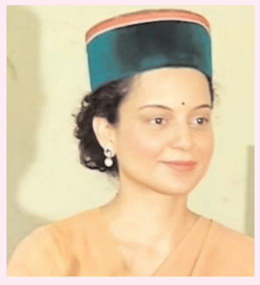

सीआईएसएफ सिपाही ने मुझे थप्पड़ मारा : कंगना

नयी दिल्ली। अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली-गलौज की। कंगना ने 'पंजाब में आतंक और हिंसा में हैरान करने वाली वृद्धि' शीर्षक से एक वीडियो बयान पोस्ट किया। कंगना ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं। कंगना ने दिल्ली पहुंचने के बाद बयान जारी कर कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई। कंगना ने कहा, उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी। उन्होंने कहा, जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने वाली कंगना ने कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह को 74 हजार मतों से शिकस्त दी थी।

अभियान

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ भोपाल में जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल हुए।

'आप' की नैया के खेवैया केजरीवाल को सहानुभूति भी नहीं मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अंतरिम जमानत पर 10 मई को तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद भीषण गर्मी में धुआंधार प्रचार किया और रैलियों तथा रोड शो में भारी भीड़ जुटाई लेकिन उनकी यह कोशिश राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी पार्टी (आप) को जीत नहीं दिला सकी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शिकस्त देने की कोशिश में केजरीवाल ने न केवल 'आप' उम्मीदवारों के लिए बल्कि इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) में सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार किया। दिल्ली के अलावा उन्होंने महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों की भी यात्रा की। लेकिन उनकी रैलियों में उमड़ी भारी भीड़ वोट में तब्दील नहीं हो सकी और दिल्ली 'आप' को भाजपा के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

पंजाब में 'आप' ने 13 सीट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन वह सिर्फ तीन सीट ही जीत पाई। दिल्ली में उसकी सहयोगी कांग्रेस ने पंजाब में उसकी जीत की संभावनाओं पर नकेल कस दी और सात सीट अपने नाम कर ली। 'आप' ने देशभर में कुल 22 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें पंजाब की 13, दिल्ली की चार, गुजरात की दो, असम की दो और हरियाणा की एक सीट शामिल हैं। लेकिन पार्टी गुजरात, हरियाणा, दिल्ली और असम में एक भी सीट नहीं जीत पाई।

केजरीवाल को 21 मई को गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी के कारण 'आप' का चुनाव अभियान प्रभावित हो गया। पार्टी के घोषणापत्र, चुनाव लड़ने की रणनीति और लोगों से संपर्क साधने की गतिविधियों को लेकर निर्णय लेने में देरी हुई। हालांकि, केजरीवाल की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने नेतृत्व करने की कोशिश जरूर की। उनकी पार्टी के नेताओं ने कहा कि अंतरिम जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल बिना समय गंवाए पूरे जोश के साथ चुनाव प्रचार में कूद पड़े और उन्होंने पार्टी के अभियान में नयी ऊर्जा भर दी।

जेल से बाहर आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को अपने पहले संबोधन में केजरीवाल ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने उत्तराधिकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं क्योंकि मोदी 75 साल की उम्र में रिटायर हो जाएंगे।

पार्टी नेताओं ने फिर से एकजुट होकर 'जेल का जवाब वोट से' अभियान शुरू किया, जिसके तहत इसके वरिष्ठ नेताओं ने समर्थन जुटाने के लिए कई जनसभाओं का नेतृत्व किया, हस्ताक्षर अभियान और अन्य गतिविधियां शुरू कीं। 'आप' को उम्मीद थी कि केजरीवाल की गिरफ्तारी से लोगों में सहानुभूति पैदा होगी और यह पार्टी के पक्ष में काम करेगा, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा नहीं हुआ। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में उनकी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा, लेकिन पंजाब में आम सहमति नहीं बन पाई। यह चुनाव केजरीवाल और 'आप' के लिए इस लिहाज से अहम था क्योंकि राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद 'आप' का यह पहला लोकसभा चुनाव था।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 'हमारे बारह' के प्रदर्शन पर 14 तक लगाई रोक

मुंबई/एजेन्सी

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अन्नू कपूर की फिल्म 'हमारे बारह' की रिलीज योजनाओं में हस्तक्षेप करते हुए इसके निर्माताओं को 14 जून, 2024 तक इसकी रिलीज स्थगित करने का निर्देश दिया है। यह फैसला फिल्म को लेकर विवादों की झड़ी के बीच आया है, जो पहले 7 जून को स्क्रीन पर आने वाली थी। अदालत का यह निर्देश कई घटनाओं के बाद आया है, जिसमें मुख्य अभिनेता अन्नू कपूर की महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात भी शामिल है, जब उन्हें फोन कॉल के माध्यम से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। यह कानूनी हस्तक्षेप अजहर तंबोली द्वारा दायर याचिका से उपजा है, जिसका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता मयूर खांडेपारकर, अनीसा चीमा और रेखा मुसले ने किया है। याचिका में फिल्म की विषय-वस्तु को चुनौती दी गई है, जिसमें इस्लामी भावनाओं और कुरान का गलत चित्रण करने का आरोप लगाया गया है। खांडेपारकर ने विशेष रूप से फिल्म के ट्रेलर और प्रचार सामग्री में दिखाए गए आपत्तिजनक संवादों को उजागर किया, तथा इसके यू/ए प्रमाणन की उपयुक्तता के विरुद्ध तर्क दिया।

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता अद्वैत सेठना ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि फिल्म की जांच सीबीएफसी समिति द्वारा की गई थी, जिसने प्रमाणन देने से पहले कुछ संपादनों की सिफारिश की थी। हालांकि, सेठना ने सीबीएफसी के अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि यह फिल्मों को नियंत्रित तो करता है, लेकिन ट्रेलर और प्रचार सामग्री पर इसका नियंत्रण नहीं है। चल रही बहस के जवाब में, मामले की अध्यक्षता करने वाली पीठ ने आगे विचार-विमर्श को आवश्यक समझा और सुनवाई को 10 जून तक के लिए स्थगित कर दिया। अदालत ने फिल्म निर्माताओं और याचिकाकर्ताओं दोनों को किसी भी अतिरिक्त चिंता को दूर करने की स्वतंत्रता दी।

मीडिया से बातचीत के दौरान फिल्म के बारे में बात करते हुए, अन्नू कपूर ने कहा, हमारे बारह पर काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। फिल्म कुछ जटिल और संवेदनशील विषयों पर आधारित है, और मेरा माननाङ्क्षहै कि नया शीर्षक हमारी कहानी के साथ बेहतर ढंग से मेल खाता है। मैं 7 जून को दर्शकों को इस परियोजना के दिल और आत्मा का अनुभव कराने के लिए उत्साहित हूँ। 'हमारे बारह' एक मार्मिक कथा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मंजूर अली खान संजरी पर केंद्रित है, एक ऐसा किरदार जो प्रसव के दौरान अपनी पहली पत्नी को खोने के बावजूद, अपनी दूसरी पत्नी के साथ अपने परिवार का विस्तार करता है, जो अब अपने छठे बच्चे की उम्मीद कर रही है।

'वंशज' में नकारात्मक लेकिन मज़ेदार किरदार निभा रही है उत्कर्षा नाइक

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के सीरियल 'वंशज' में काम कर रही उत्कर्षा नाइक का कहना है कि इस शो में उनका किरदार सिर्फ नकारात्मक किरदार नहीं है, इसके ढेरों मनोरंजक पल भी हैं। सोनी सब का शो 'वंशज' युविका महाजन (अंजलि तत्रारी) की कहानी दर्शाता है, जो विरासत से संबंधित पारंपरिक मानदंडों के खिलाफ लड़ रही है। यह प्रबल ड्रामा कुछ हल्के-फुल्के मोड़ भी लेता है क्योंकि स्क्रीन पर सृष्टि वर्मा के चालाक और नकारात्मक किरदार को निभाते हुए, उत्कर्षा नाइक अपनी भूमिका में ह्यूमर शामिल करती हैं, और ऑफस्क्रीन एक मज़ेदार माहौल बनाती हैं। नकारात्मक लेकिन मज़ेदार किरदार सृष्टि वर्मा की भूमिका निभा रही, उत्कर्षा नाइक अपने संवादों और स्क्रिप्ट में सहज रूप से मज़ेदार बातें जोड़कर सेट में उत्साहजनक माहौल बना देती हैं।

दुष्ट राजनीतिज्ञ सृष्टि वर्मा की भूमिका निभाने वाली उत्कर्षा नाइक ने कहा, मुझे सृष्टि वर्मा की भूमिका को इम्प्रोवाइज़ करना पसंद है क्योंकि यह कोई नकारात्मक किरदार बस नहीं है; बल्कि इसके कई मनोरंजक पहलू भी हैं।

जब मैं सृष्टि के रूप में अभिनय कर रही होती हूं तो ऐसा अक्सर होता है, क्योंकि मैं अक्सर मौके पर ही सीन्स को इम्प्रोवाइज़ कर लेती हूं। कास्ट और क्रू इस किरदार के ह्यूमर और अप्रत्याशितता का मज़ा लेते हैं। सृष्टि वर्मा को जीवंत करने और सेट पर सभी के साथ इन सुखद पलों को शेयर करने का अनुभव वाकई लाजवाब है। वंशज हर सोमवार से शनिवार शाम 7 बजे और रात 10 बजे, सोनी सब पर प्रसारित होता है।

'सत्यभामा' में पुलिस अधिकारी बनेंगी काजल, रखा जाएगा विशेष प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

काजल अग्रवाल साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री हैं, लेकिन उन्होंने तमिल और तेलुगु के अलावा कुछ हिन्दी फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने अपने करियर में कई सफल फिल्म दी हैं। हालांकि, बीते कुछ समय से वह पर्दे पर नजर नहीं आई थीं, लेकिन मैटरनिटी ब्रेक के बाद वह एक बार फिर से पर्दे पर अपने अभिनय का जलवा बिखेरती नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सत्यभामा' को लेकर चर्चा में हैं। यह एक क्राइम थ्रिलर होगी, जिसका निर्देशन सुमन चिक्कला कर रहे हैं। फिल्म सात जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म में अभिनेत्री काफी दमदार किरदार में नजर आएंगी। वह इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म का निर्माण शशि किरण थिक्का ने किया है, वह इस फिल्म के सह लेखक भी हैं। फिल्म के निर्माता इसके प्रमोशन में जोर शोर से जुट गए हैं। उन्होंने आम जनता के लिए एक विशेष प्रीमियर की घोषणा की है। यह विशेष प्रीमियर पांच जून को शाम छह बजे हैदराबाद के प्रसाद मल्टीप्लेक्स में होगा। दर्शक भी इस विशेष प्रीमियर में हिस्सा ले सकते हैं। इस विशेष प्रीमियर टिकट को प्राप्त करने के लिए, दर्शकों को प्ले स्टोर से शी सेफ ऐप डाउनलोड करना होगा। इस टिकट को काउंटर पर दिखा कर दर्शक प्रवेश पा सकते हैं। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। काजल के फैंस को 'सत्यभामा' से बहुत उम्मीदें हैं। फिल्म में नवीन चंद्रा, प्रकाश राज, हर्षवर्धन, रवि वर्मा, अंकित कोय्या, संपदा एन और प्रज्वल यादमा सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार नजर आने वाले हैं।

फिल्म 'सनम' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्ड वाइड और जितेन्द्र गुलाटी प्रस्तुत निर्माता रत्नाकर कुमार और निर्देशक अनंजय रघुराज की आने वाली भोजपुरी फिल्म सनम का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म सनम में मुख्य भूमिका में राहुल शर्मा, मेघा श्री और प्रीति मौर्य नजर आएंगे। फिल्म सनम के सह निर्माता निवेदिता कुमार हैं। फिल्म सनम का फर्स्ट लुक पोस्टर बेहद आकर्षक और रोमांटिक है, इसमें राहुल शर्मा और मेघा श्री की केमिस्ट्री नजर आ रही है।साजन मिश्रा और शुभम तिवारी ने इस फिल्म के गानों को संगीतबद्ध किया है। भोजपुरी फिल्म सनम में राहुल शर्मा, मेघा श्री और प्रीति मौर्य के साथ विनोद मिश्रा, रोहित सिंह मटरू, संजीव मिश्रा, शंभू राणा, निशा तिवारी, धामा वर्मा, अभय राय, योगेश पांडे, ऋषभ राजपूत, मिंटू सिंह, आंचल तिवारी, पूजा चौधरी, प्रगति भट्ट , (अतिथि कलाकार), काजल त्रिपाठी मुख्य भूमिका में हैं। डीओपी जगमिंदर सिंह हुंदल हैं। सहायक निर्देशक विवेक कुमार, मुख्य सह निर्देशक सुजीत भट्ट और बैकग्राउंड म्यूजिक असलम सुरती का है। ध्वनि प्रभाव एवं मिश्रण कृष्णा विश्वकर्मा का है।कार्यकारी निर्माता राजेश सिरसट है।गीत आशुतोष तिवारी, धरम हिंदुस्तानी का है, जबकि गायक सुगम सिंह, प्रियंका सिंह, ज्योति शर्मा हैं। संगीतकार साजन मिश्रा, शुभम तिवारी, कथा, पटकथा एवं संवाद राकेश त्रिपाठी का है।

विवेक अग्निहोत्री के बदले बोल, नेताओं को दे डाली नसीहत

मुंबई/एजेन्सी

'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी बेबाकी से लोगों को हैरान कर देते हैं। वो हर विषय पर मुखरता से बोलने के लिए जाने जाते हैं। राजनीतिक मुद्दा हो या सामाजिक विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी राय रखने में कभी भी पीछे नहीं रहते हैं। ज्यादातर वो अपने विवादित बयानों के चलते चर्चा में आ जाते हैं। एक बार फिर उनके लंबे-चौड़े बयान ने लोगों का ध्यान खींचा है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर लोकसभा चुनाव को लेकर अपने विचार जाहिर किए हैं। उनका हालिया पोस्ट लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद सामने आया है। इस पोस्ट को पढ़ने के बाद आपको भी लगेगा कि विवेक रंजन अग्निहोत्री के बोल बदल गए हैं। उन्होंने पूराने हिंदुत्ववादी मुद्दों से यू-टर्न ले लिया है और हिंदूत्वाद पर अपने विचार जाहिर करते हुए नेताओं को नसीहत भी दे दी है। लोग उनके इस पोस्ट अयोध्या में भाजपा की हार से जोड़कर देख रहे हैं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपने लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'हज़ारों सालों से विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों विशेष रूप से एकेश्वरवादी धर्मों ने हिंदू धर्म की समृद्ध और विविध परंपराओं का सामना किया है। आक्रमणों, धर्मांतरण, सामाजिक विघटन, नरसंहार और यहां तकङ्क्षकि राष्ट्र के खूनी विभाजन सहित कई खतरों के बावजूद, हिंदू धर्म की उदार, विविध, बहुलतावादी और समावेशी प्रकृति बची हुई है, बरकरार है। हिंदू धर्म ने हमेशा दार्शनिक जांच और स्वतंत्र सोच को महत्व दिया है। इसे अधिक कठोर, कर्मकांडीय प्रणाली में बदलने के प्रयास सफल नहीं हुए हैं, क्योंकि इसकी बहुलता, खुलेपन और सार्वभौमिक स्वीकृति की परंपराएं गहराई से समाहित हैं। स्वतंत्रता के बाद भी, राजनेताओं ने सत्ता प्राप्ति के अपने स्वार्थी लक्ष्यों के लिए हिंदू धर्म की आत्मा को दार्शनिक जिज्ञासा से बदलकर कर्मकांडीय दृढ़ता में बदलने का प्रयास किया है। उन्होंने इसे अमूर्त सार्वभौमिकता से बदलकर स्थानीय प्रतीकवाद में बदलने का प्रयास किया है। उन्होंने वोट पाने के लिए हिंदू धर्म के स्वतंत्र विचार

वाले मन को नियम-आधारित अधीन मन में बदलने का प्रयास किया है।'

विवेक रंजन अग्निहोत्री आगे लिखते हैं, 'मेरा मानना ङ्क्षहै कि हिंदू धर्म ऐसी परिस्थितियों में पनपता है, जहाँ जब इसके समावेशी डीएनए को बदलने या एकरूप राजनीतिक विचारधाराओं को थोपने का कोई प्रयास नहीं किया जाता। जब व्यक्तियों को अपने भोजन, पोशाक, भाषा, प्रथाओं और जीवन शैली के बारे में व्यक्तिगत विकल्प चुनने की स्वतंत्रता होती है। जब कला, साहित्य, शोध, जांच, रचनात्मकता और मुक्त भाषण को राज्य और समाज द्वारा निवेश के रूप में समर्थन और बढ़ावा दिया जाता है।

हिंदू स्वतंत्र विचार और रचनात्मकता को महत्व देते हैं। इस स्वतंत्रता का सम्मान करना और उसे बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अंत में, यदि राजनीतिक नेता सच्ची सफलता चाहते हैं, तो उन्हें हिंदू धर्म की स्वायत्तता का सम्मान करना चाहिए। हिंदू अपनी आध्यात्मिक यात्रा का मार्गदर्शन करने में सक्षम हैं। 2024 एक संदेश है कि राजनीति को अपने निहित स्वार्थों के लिए हिंदू धर्म का शोषण करने से दूर रहना चाहिए। यह एक ऐसी विजय है जिसे आप कभी नहीं जीत सकते। यह किसी की भी ताकत से परे है।'

विवेक रंजन अग्निहोत्री इतने पर ही नहीं रुके उन्होंने हिंदुत्व का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को नसीहत दे डाली और कहा, 'पिछले कुछ दशकों की राजनीति जो 2024 के चुनावों तक पहुंच चुकी है, एक और उदाहरण है जहां हिंदू धर्म पर एकरूपता थोपने की कोशिश की गई है, चाहे वह एक ईश्वर, एक मंदिर, एक पुस्तक या एक ही रीति-रिवाजो के जरिए हो या फिर जीवनशैली के दिशा-निर्देशों के जरिए, चुनाव के नतीजे साबित करते हैं कि इस तरह के एकेश्वरवाद का शांतिपूर्ण तरीकों से प्रतिरोध किया जाता है। धार्मिक राजनीति का नकार हिंदू मूल्यों की मजबूती और अनुकूलनशीलता को दर्शाता है। हिंदू धर्म सत्य की गहन खोज से उभरा है, जिसने इस विचार को अपनाया है कि सत्य असंख्य तरीकों से प्रकट होता है। यही कारण है कि हिंदू धर्म अनेक देवी-देवताओं और धर्मों का सम्मान करता है, जिनमें से प्रत्येक सत्य के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है।'

बता दें, विवेक रंजन अग्निहोत्री हाल में ही अपनी फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' लेकर आए थे, जो कॉन्ट्रोवर्सी में घिरी रही और इसे एजेंडा ड्रिवेन फिल्म करार दिया गया। इस फिल्म को वैसे बॉक्स ऑफिस पर पसंद किया गया और यही वजह रही कि फिल्म ने बंपर कमाई की। अब एक्टर अपनी अगली फिल्म की कहानी लिख रहे हैं। जल्द ही वो 'दिल्ली फाइल्स' बनाएंगे। आखिरी बार उनकी फिल्म 'वैक्सीन वॉर' रिलीज हुई थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 07-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन हैं। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थंकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

बैंक ऑफ बड़ौदा में वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुम्बई। बैंक ऑफ बड़ौदा के कॉरपोरेट कार्यालय में कार्यकारी निदेशक लाल सिंह के साथ वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ देबदत्त चंद ने कहा, बैंक ऑफ बड़ौदा में हम ऐसे ठोस उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हरित कल का मार्ग प्रशस्त करेंगे। हमने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से देखा है, जिसमें इस वर्ष देश के विभिन्न भागों में तीव्र गर्मी पड़ रही है। अब कार्य करने का समय आ गया है और विश्व पर्यावरण दिवस हम सभी के लिए आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य बनाने की दिशा में अपना समर्थन देने का एक उपयुक्त अवसर है।

देश भर में बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यालयों ने पार्क और उद्यानों को गोद लिया है और 498 वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाए हैं। पार्कों को गोद लेकर, बैंक उद्यान के रख-रखाव, पेड़ और फूलों की क्यारियाँ लगाने और उद्यान को गंदगी से मुक्त रखने के लिए जिम्मेदार होगा। इसके अलावा, विश्व पर्यावरण दिवस से पहले, बैंक ने हाल ही में शुरू की गई इजइ अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट योजना पर केंद्रित एक जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें जमाकर्ताओं और पर्यावरण दोनों के लिए योजना के लाभों को रेखांकित किया गया। इजइ अर्थ ग्रीन टर्म डिपॉजिट 7.157 प्रति वर्ष तक की ब्याज दरें प्रदान करता है और जुटाई गई धनराशि को पात्र पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं और क्षेत्रों के वित्तपोषण के लिए लगाया जाएगा। मात्र दो दिनों में बैंक ने 4,000 से अधिक खाते खोले हैं, जिनमें कुल जमा राशि 16.92 करोड़ रुपये है।

शरीर तो हमारे लिए व्यवस्थाएं हैं, मुख्य तो आत्मा है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

टोंडियारपेट में धर्मसभा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रमण संघीय युवाचार्यश्री महेंद्र ऋषि म.सा. ने टोंडियारपेट स्थानकवासी जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा कि आचारांग सूत्र में एक सूत्र, जिसमें कहा गया है कि जिस आत्मा को समझ, सामर्थ्य है, वह युद्ध करने में सक्षम है। आज व्यक्ति कमजोर के साथ तो लड़ने में सक्षम हो गया। वैसे ही हम युद्ध करने के लिए सर्वथा सक्षम है लेकिन युद्ध किससे करना है, यह समझना महत्वपूर्ण है।

हमें यदि लक्ष्य बनाना है तो एक युद्ध स्वयं का, स्वयं के विरुद्ध बनाओ। लड़ने वाला यदि नेतृत्व है तो वह राजा है हमारा जीव। उस जीव रुपी राजा को जान लेना, समझ लेना आवश्यक है। जीव रुपी राजा की मंत्रणा बनाता है, वह है सम्यक्त्व्य। उन्होंने कहा जीवन के साथ यदि सम्यक्त्व है तो वह विजय की राह में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा हमारे दिमाग में रही हुई धारणाएं, संस्कार, कर्मों के उदय, उन्हीं से हम पूरे संचालित होते हैं। शरीर और आत्मा का विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि शरीर का मालिक दूसरा हो सकता है। आत्मा का मालिक तो परिपूर्ण है। शरीर तो हमारे लिए व्यवस्थाएं हैं, मुख्य तो आत्मा है।

युवाचार्य ने बोधि का अर्थ समझाते हुए कहा कि हमारे भीतर आत्मबोध प्रकट कराने वाले अरिहंत परमात्मा है। बोधि यानी आत्मजागृति, आपकी

समझ। धर्म साधना, आराधना हमारे आत्मगुण है। जो धर्म क्रिया में आत्मरमण को प्रकट कर रहे है, वह गुरु है। उन्होंने बताया कि आचारांग सूत्र में आचार्यों के द्वारा स्थिति के हिसाब से जांचकर लिखा गया है। यदि हम किसी बात का समाधान नहीं दे सकें तो गलत बात नहीं करनी चाहिए।

धर्म का स्वरूप आत्मा से जुड़ा है, ज्ञान, दर्शन, चारित्र से जुड़ा है। जितना आनंद, सुख का अनुभव चल रहा है, उससे अनंत गुणा सुख संयम से मिलता है। इन गुणों को बढ़ाने वाले देव, धर्म, गुरु है, यह अटूट सत्य है। राजा, मंत्री दोनों की जोड़ी जम गई, अब उनको सेना चाहिए। सेना के बिना युद्ध नहीं लड़ा जा सकता है। जीव रुपी राजा की सेना है संयम की सेना।

उन्होंने कहा संयम जहां है, वह जीव रुपी राजा और सम्यक्त्व रुपी मंत्री बहुत मजबूत है। संयम में पुरुषार्थ स्वाभाविक संस्कार है। मन में जो आया, वह कर लिया, वह महान् नहीं कहलाता है। यह असंयम है और असंयम हमें कमजोर करने वाला है। संयम हमारी ताकत है। यदि संयम आ गया तो सेना के हाथ में शस्त्र दिए जाते हैं। उन्होंने कहा एक प्रायश्चित से अनंत कर्म नष्ट हो सकते हैं। प्रतिक्रमण, स्वाध्याय, ध्यान, काउगस्स, ये सब हमारी आत्मा के शस्त्र है। उन्होंने कहा समकित, संयम, तप को हमें समझना चाहिए। हमारे आगमों का मुख्य लक्ष्य है प्रत्येक आत्मा मोक्ष प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हम तत्पर बनें।

मुनि हितेंद्र ऋषि ने कहा कि श्रद्धा मजबूत हो तो हर काम अच्छा होता है। धर्म में विश्वास हो तो वह कभी अविश्वास नहीं होने देगा। इस मौके पर वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ के सज्ञनराज तालेड़ा ने आगामी चातुर्मास में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। युवाचार्य शुक्रवार को एमसी रोड़ जैन संघ में प्रवचन देंगे।

'प्रतिदिन सीखें एक वाक्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने रोज एक हिंदी शब्द सीखें, योजना पहले से सभी स्टेशनों पर लागू की है। जिसके तहत एक-एक हिंदी तमिल अर्थ एवं उच्चारण सहित लिखा जाता है। इसी दिशा में एक कदम आगे के रूप में प्रत्येक दिन एक वाक्य सीखने के लिए सुझाया जा रहा है। इस संबंध में श्री शिव कृष्ण महेशुनि, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर तंबाराम के कार्यालय में संपन्न हुई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में एक सहायक साहित्य है विमोचित किया गया और इसे डिजिटल रूप में सभी कर्मचारियों को वितरित किया गया था। प्रथम प्रति चेन्नई मंडल के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ए श्रीनिवासन ने प्राप्त की। आगे से रोज एक वाक्य लिखा जायेगा और सिखाया जाएगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ अनुवादक अशोक राम ने किया।

सुरक्षा जागरूकता के तहत लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन में 6 जून को अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस मनाया गया। लेवल क्रॉसिंग गेटों और चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जागरूकता अभियान चलाया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक अंकुर चौहान और तेज प्रताप सिंह ने चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में जागरूकता अभियान को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी बालामुरली एम और चेन्नई मंडल के अन्य शाखा अधिकारियों ने भाग लिया। चेन्नई मंडल में 6 से 12 जून तक एक सप्ताह तक सुरक्षा जागरूकता अभियान मनाया जा रहा है।

गुरुवार को, तांबरम-पल्लवरम सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग गेट 26 और 27 तथा तांबरम-पेरुंगलत्तूर सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग गेट 33 पर जागरूकता अभियान चलाया गया। गेट पर लेवल क्रॉसिंग गेट पार करते समय सुरक्षा सावधानियों का पालन करने के महत्व को दर्शाने वाले बैनर और सुरक्षा पोस्टर प्रदर्शित किए गए। सड़क उपयोगकर्ताओं, मोटर चालकों और आम जनता को रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के बारे में सलाह दी गई और गेट बंद होने पर अतिक्रमण न करने के बारे में बताया गया। सड़क उपयोगकर्ताओं को लेवल क्रॉसिंग पर लापरवाही और असावधानी के परिणामों और उनके प्रभाव के बारे में सलाह दी गई। उन्हें लेवल क्रॉसिंग गेट पार करते समय ईयर फोन का उपयोग न करने के बारे में सलाह दी गई।

चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर यात्रा करने वाले लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए डिजिटल डिस्प्ले सूचना बोर्ड पर जागरूकता पोस्टर प्रसारित किए गए। कॉलेज और स्कूली छात्रों के लाभ के लिए सुरक्षा जागरूकता अभियान की भी योजना बनाई गई है। भारतीय रेलवे ने सीमित उपयोग वाले सबवे, रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज के निर्माण या सड़क यातायात के डायवर्जन के माध्यम से लेवल क्रॉसिंग को बंद करके मानव रहित लेवल क्रॉसिंग गेट को समाप्त कर दिया है। अब, चरणबद्ध तरीके से मानव युक्त लेवल क्रॉसिंग को समाप्त किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य लेवल क्रॉसिंग पर दुर्घटनाओं को कम करना है जो सड़क/रेल उपयोगकर्ताओं द्वारा अनिवार्य साइन बोर्ड, सिग्नल, आने वाली ट्रेनों और बुनियादी यातायात सुरक्षा नियमों का पालन न करने के कारण होती हैं। चेन्नई डिवीजन ने रेल और सड़क उपयोगकर्ताओं से लेवल क्रॉसिंग का उपयोग करते समय अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील की है।

वट सावित्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पुझल स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में मिथिलांचल की महिलाओं ने वट सावित्री की पूजा की। पूजा में महिलाओं ने अपने पति के लंबी आयु की कामना की।

लाभ के अनुपात में लोभ भी बढ़ता है : साध्वी चैतन्यश्री

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम स्थानक में अमावस्या के मौके पर गुरुवार को विशेष प्रवचन कार्यक्रम में साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे बुजुर्ग हीरा,माणक,मोती के बीच में शांत रहते थे जबकि आज का मानव कागज के टुकड़ों के बीच भी उछल रहा है। हम कब तक इच्छाओं के पीछे भागते रहेंगे, जबकि इच्छायें ही हमारे तनाव का मुख्य कारण है। आज का मनुष्य लाभ की प्रवृति में पड़ा हुआ है और जैसे-जैसे लाभ बढ़ रहा है उसी अनुपात में लोभ भी बढ़ रहा है, लोभ हमे धर्म से विमुख करता है। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य लोभ की चिंता में है इसीलिये नींद के लिये दवाई लेनी पड़ती है जबकि परमात्मा के पथ वाले बिना चिंता के जीवन जीते है। उन्होंने कहा कि हम इच्छाओं के पीछे भागकर बड़ी गलती कर रहे है जबकि 12 व्रतों को धारण कर मर्यादित जीवन जीना चाहिये जो वास्तव में परमात्मा के मार्ग की ओर के जाता है। उन्होंने सांसारिक सफलता के बारे में बताते हुए कहा कि यह कभी स्थाई नहीं रही और साथ भी नहीं चलती जबकि आत्मउत्थान के लिये किये गये प्रयास ही साथ चलेंगे, हमे धन में नहीं ध्यान में सफलता प्राप्त करनी है। पद के बारे में उन्होंने बताया कि मोक्ष पद से ऊपर कोई भी पद नहीं है, आज तीर्थंकर पद भी केवल तीन चौबीसी तक ही याद रहता है तो हमारे सांसारिक पदों की क्या औक़ात है। उन्होंने बेटियों के बारे में कहा कि उनको सीता-द्रौपदी-अंजना-दमयंती के चारित्रों का भान कराना चाहिये ताकि वो भी उनके जैसे चारित्रवान बन सके। श्रीरामपुरम संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार अमावस्या के सामूहिक जाप की व्यवस्था स्थानक भवन में की गई।

सीरवी धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीरवी समाज के धर्मगुरु एवं राजस्थान के पूर्व कबीना मंत्री दीवान माधवसिंह तीन दिवसीय दौरे पर गुरूवार को चेन्नई आए। सीरवी समाज बंधुओं ने चेन्नई हवाई अड्डे पर धर्मगुरू दीवान साहब का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर महासभा के कोषाध्यक्ष बीजाराम परिहारीया, सीरवी समाज टिप्लीकेन वडेर के अध्यक्ष खेताराम गहलोत, सचिव अमरचंद परिहारीया, उपाध्यक्ष कानाराम, सह सचिव नारायण लाल चोयल सहित चेन्नई क्षेत्र से बड़ी संख्या में वडेरों के पदाधिकारियों ने दीवान माधवसिंह का माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान समाज बंधुओं ने आईमाताजी के जयकारे लगाए।

जीतो ग्रोथ सम्मिट व ट्रेड फेयर की सभी तैयारिया पूर्ण

आज से शुरु होगा तीन दिवसीय व्यापारिक मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड स्थित चाम्रवजरा सभागार में तीन दिवसीय जीतो ग्रोथ सम्मिट विशाल व्यापारिक मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का शुभारंभ शुक्रवार को सुबह होगा। 60000 वर्गफीट में आयोजित इस व्यापारिक मेलें में करीब 250 स्टॉल होंगे जिसमें गोल्ड पेवेलियन में आभूषणों की खनक, आधुनिक डिजायन के परिधानों की दमक, रियल स्टेट की धमक, शिक्षा के माध्यम से भविष्य की चमक, दैनिक उपयोगी वस्तुओं सहित अनेक नए उत्पाद व सेवाओं के स्टॉल होंगे। आयोजकों ने दावा किया है कि इस जीतो व्यापारिक मेले में लगभग एक लाख आगंतुकों के आने की संभावना है जिनको एक छत के नीचे नवीनतम एवं आधुनिक उत्पादों को अनुभव व परखने का मौका मिलेगा।

जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने संपूर्ण समाज को आमंत्रण देते हुए कहा कि यह केवल एक व्यवसायिक प्रदर्शनी नहीं है अपितु व्यापार में आये आधुनिक बदलावों को जानने एवं 2030 की व्यापारिक प्रवृति व रुझानों को दिखाने वाला व्यापारिक मेला है अतः व्यापारी वर्ग को आने वाले समय के व्यापारिक बदलावों को जानने व समझने का यह शानदार अवसर है। उन्होंने जानकारी दी कि इस व्यापारिक मेले में सभी को निःशुल्क प्रवेश मिलेगा। महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल के अनुसार इस विशाल आयोजन में जीतो साउथ के उपाध्यक्ष अशोक गजानन, दिलीप कोठारी, पवन रांका व उदय जैन, कोषाध्यक्ष अशोक मेहता, सहकोषाध्यक्ष अक्षय मेहता, सचिव संजय भंडारी व श्रीपाल बच्चावत के साथ अनेक कार्यकारिणी सदस्य तैयारियों में जुटे हुए है ।

सभागार में ज्यादातर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गाँधी, महामंत्री मोनिका पिरगल, युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता, महामंत्री संदीप पगारिया अपनी अपनी टीम के साथ काम में जुटे हुए हैं । इस तीन दिवसीय ट्रेड फेयर के साथ दो दिवसीय ग्रोथ सम्मिट में प्रेरक वक्ताओं के व्यक्तव्य, प्रतिभा दिखाने का मंच, जेपीएफ का राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय युवा महोत्सव, जैन पैवेलियन, संगीत संध्या, रक्तदान शिविर इत्यादि का भी आयोजन रहेगा।

कबूतर दाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। 'मेरिना बीच पीजॉन फीडिंग' संस्था करीब 2008 में शुरू हुई थी। इस संस्था को चलाने में भगाराम सोलंकी, भीमराज माली, खिमचंद सुराना, जगदीश, मदन इन सब का विशेष सहयोग रहता हैं। नरेश मकवाना ने बताया कि धूप हो या बारिश हो ये सब हर रोज सुबह मरीना बीच 4.30 बजे पहुंच जाते हैं और करीब 7बजे तक रहते हैं। यहां लाखों कबूतरों को दाना दिया जाता है। आम आदमी विशेषकर अमवस्या और पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में यहां कबूतरों को दाना देते हैं और अपना अपना सहयोग करते हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.